मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, मंगलवार, 7 जनवरी 2025
संवत 2081, पौष शुक्ल 8- मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 122 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ डिजिटली भुगतान के फायदे और जोखिम
अजय देवगन की 'आजाद' का ट्रेलर रिलीज ◀◀ 6

तिब्बत में 6.8 तीव्रता वाले भूकंप ने मचाई तबाही, 53 लोगों की मौत, 62 घायल

शिजांग : तिब्बत में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये। इस भीषण भूकंप में 53 से अधिक लोगों की मौत हो गई। जबकि 62 लोग घायल हुए हैं। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार मंगलवार सुबह 9:05 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.8 मापी गयी।

चीन की सरकारी मीडिया मुताबिक तिब्बत के शिजांग शहर के डिंगरी काउंटी में 6.8 तीव्रता के भूकंप में 53 लोगों की मौत हुई है। 62 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में 28।5 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 87।45 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

इससे पहले नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही तिब्बत क्षेत्र के शिजांग में भूकंप झटके महसूस किए जा रहे हैं। यहां सुबह 6:30 बजे 7।1 तीव्रता के साथ 10 किमी गहराई पर भूकंप आया। इसके बाद 7:02 बजे 4.7 तीव्रता, 07:07 बजे 4.9 तीव्रता और 7:13 बजे पांच तीव्रता का भूकंप आया। इसके चलते लोग घरों को छोड़कर खुले स्थानों की ओर चले गए।

भारत में भी महसूस किए गए झटके : भूकंप के झटके भारत के कई राज्यों में भी महसूस किए गए। इसकी जद में सबसे ज्यादा बिहार आया। इसके अलावा असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस दौरान डरे सहमे लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। यूएसजीएस भूकंप के मुताबिक, भूकंप का केंद्र लोबुचे से 93 किमी उत्तर पूर्व में था।

क्यों आता है भूकंप? : पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूंकप के केंद्र और तीव्रता का मतलब? : भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

आमरण अनशन के बीच प्रशांत किशोर की बिगड़ी तबियत, अस्पताल ले गए डॉक्टर

पटना : पटना में प्रशांत किशोर का अनशन 2 जनवरी शाम पांच बजे से जारी है। इस बीच सोमवार देर रात उनकी तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद मेदांता अस्पताल के डॉक्टर अजीत प्रधान अपनी टीम और एंबुलेंस के साथ शेखपुरा हाउस पहुंचे। जहां से डॉक्टर अस्पताल लेकर गए। जहां प्रशांत किशोर का इलाज जारी है। बता दें कि आमरण अनशन कहां जारी रखेंगे। स्थान पर निर्णय लेने के लिए उन्होंने आज मीटिंग भी रखी है। मिली जानकारी के अनुसार, पटना स्थित शेखपुरा हाउस में 51 सदस्यीय टीम की बैठक की जाएगी। जिसमें तय होगा कि प्रशांत किशोर कहां से अपना अनशन जारी रखेंगे। वहीं पुलिस की भी पूरी तैयारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस गर्दनीबाग धरना स्थल के अलावे पीके को कहीं भी धरना नहीं देने देगी।

बता दें कि प्रशांत किशोर बीपीएससी अभ्यर्थियों के पक्ष में आवाज बुलंद कर रहे हैं। पिछले 5 दिनों से वे बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे हैं। आधी रात के बाद करीब 4 बजे सुबह प्रशांत किशोर को हिरासत में लेने के लिए पटना पुलिस की टीम गांधी मैदान पहुंची और उनको जबरन अपने साथ ले गई। जानकारी के मुताबिक लगभग 10 थानों की पुलिस गांधी मैदान पहुंची थी।

लोहरदगा में लॉज के कमरे में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

लोहरदगा: शहरी क्षेत्र के न्यू रोड स्थित लोहरदगा लॉज के कमरे से एक युवक की लाश मिली है। युवक लॉज में 24 घंटे के लिए ठहरा हुआ था। हालांकि युवक के वहां ठहरने की एंट्री लॉज के रजिस्टर में दर्ज नहीं है। पुलिस ने जब इस बारे में पूछताछ की तो पुलिस को पता चला कि युवक लॉज के कर्मचारियों का परिचित था। इस वजह से उसकी इंट्री नहीं की गई। युवक अक्सर लॉज आया करता था।

कमरे का दरवाजा तोड़कर निकाला शव : जब मंगलवार की सुबह में युवक ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला तो दरवाजा तोड़ कर देखा गया। दरवाजा खुलते ही युवक कमरे में मृत अवस्था में पाया गया। मृत युवक की पहचान लोहरदगा शहरी क्षेत्र के राणा चौक धोबी मोहल्ला रोड निवासी राम प्रसाद गुप्ता के पुत्र राजीव कुमार गुप्ता (40 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार राजीव की कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी। शादी के बाद उसने अपनी पत्नी को मायके पहुंचा दिया था। उसके बाद से वह किसी बात को लेकर वह तनाव में था।

पुलिस सभी बिंदुओं पर कर रही है जांच : वहीं इस संबंध में सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर का कहना है कि पुलिस हर एक बिंदु पर जांच कर रही है। हालांकि अभी तक कोई संदेहास्पद बात सामने नहीं आई है। फिर भी पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

घटना को लेकर लोग हैरान : इधर, घटना को लेकर लोग हैरान हैं। लोगों को समझ में नहीं आ रहा कि आखिर युवक की मौत कैसे हुई। वहीं कुछ लोग मौत के पीछे की वजह हार्ट अटैक बता रहे हैं। हालांकि पुलिस जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की बात कह रही है।

पांडेय गिरोह गैंगवार: कुख्यात डॉन विकास तिवारी समेत 10 के खिलाफ एफआईआर, पलामू पुलिस ने बनाया एसआईटी

पलामू: पांडेय गिरोह गैंगवार मामले में कोयलांचल के डॉन विकास तिवारी और गिरोह से जुड़े 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। गैंगवार में मारे गए भरत पांडेय के पिता के आवेदन के आधार पर सभी के खिलाफ हत्या, आर्म्स एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा किया गया है। रविवार की रात पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के गरदा में हुई गैंगवार में अपराधियों ने भरत पांडेय एवं दीपक साव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। दोनों कोयलांचल में आपराधिक गिरोह का संचालन करते थे और रामगढ़ के पतरातू के रहने वाले थे।

एसआईटी का गठन : गैंगवार के मामले में पलामू पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का भी गठन किया है। एसआईटी का नेतृत्व सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद कर रहे हैं। एसआईटी में सदर और शहर अंचल के इंस्पेक्टर, सतबरवा, रामगढ़, सदर, मनातू, हैदरनगर के थाना प्रभारी शामिल है।

मामले में एसआईटी का गठन किया गया है और विभिन्न इलाकों में छापेमारी की जा रही है। मामले में चैनपुर थाना में 10 से 11 आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज किया गया है। पुलिस इलाकों में छापेमारी भी कर रही है। इधर, फॉरेंसिक की टीम ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। फॉरेंसिक जांच के बाद दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटनास्थल से पुलिस ने 20 से अधिक खोखा एवं गोली बरामद किया है - रीष्मा रमेशन, पलामू एसपी

वर्चस्व की लड़ाई में मारे गए भरत और दीपक : कोयलांचल के इलाके में भरत, पांडेय गिरोह का सदस्य हुआ करता था। 2021-22 में भरत पांडेय गिरोह से अलग हो गया था और अमन साव गिरोह से जुड़े दीपक साव उर्फ दुल्ला के साथ मिलकर अलग गिरोह बनाया था। भरत और दीपक के अन्य गिरोहों के साथ वर्चस्व की लड़ाई थी। रामगढ़ जिले में भरत पर 10 जबकि दीपक पर आधा दर्जन से भी अधिक अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने का आरोप था। भरत दीपक के साथ पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के गरदा स्थित अपने मौसी के घर में पिछले 31 दिसंबर से रह रहा था।

कोयलांचल के शूटरों ने दिया घटना को अंजाम : घटना के बाद पुलिस की जांच में कई बातों का खुलासा हुआ है। भरत और दीपक को गोली मारने वाले शूटरों को पुख्ता जानकारी थी कि दोनों किस घर में रुके हैं और घर के कौन से कमरे में सोए हुए हैं। अपराधी घर के अंदर सीधे भरत और दीपक के कमरे में ही दाखिल हुए थे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी कुछ दूर तक पैदल भागे थे, उसके बाद वाहन का इस्तेमाल किया था। पुलिस का स्निफर डॉग द्वारा घर से मुख्य सड़क तक छानबीन हुई।

एचएमपीवी वायरस से बचाव को लेकर झारखंड में भी गाइडलाइन जारी

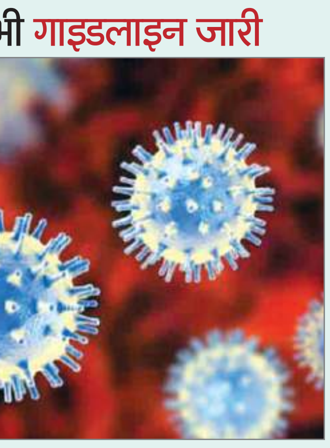

रांची : कर्नाटक और गुजरात में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) की पुष्टि के बाद झारखंड भी अलर्ट हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि एचएमपीवी वायरस पहले से मौजूद है, पर ज्यादा आक्रामक नहीं है। इसके बावजूद लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि सावधानी बरतनी है। इस वायरस से बचाव को लेकर राज्य के सभी सिविल सर्जन के साथ स्वास्थ्य विभाग ने बैठक की। साथ ही बचाव को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है।

जांच किट का दे दिया गया है ऑर्डर : सचिव अजय कुमार सिंह ने एचएमपीवी से निबटने के लिए तैयारी करने का निर्देश दिया। सोमवार को इसको लेकर रिम्स के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार ने तैयारियों का आकलन किया। ऐहतियातन जांच किट का ऑर्डर भी दे दिया गया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि घबराने की अभी जरुरत नहीं है। आइसीएमआर के गाइडलाइन के तहत तैयारी की जा रही है।

क्या है गाइडलाइन में : गाइडलाइन एचएमपीवी को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि यह वायरस नया नहीं है, सर्दी के दिनों में इस तरह के केस पहले भी आये हैं, पैनिक होने की जरूरत नहीं है।

भीड़ वाले इलाकों में मास्क का प्रयोग करें : सेनिटाइजर का प्रयोग करें और हाथों की सफाई करें, भीड़ वाले इलाकों में जाने से परहेज करें

अस्पतालों में बेड बढ़ायें

ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित कर लें।

क्या हैं लक्षण

माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ पूजा सहाय ने बताया कि इसके संक्रमण से खांसी, सर्दी, बुखार, गले में खराश और कमजोरी होती है। यह तीन से पांच दिनों में ठीक हो जाता है।

सलमान खान की बढ़ाई गई सुरक्षा, गैलेक्सी की बालकनी में लगाए गए बुलेटप्रूफ ग्लास

मुंबई : पिछले कुछ महीनों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिल रही धमकियों के बीच सलमान खान की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि किस तरह से सुपरस्टार दबंग के घर, गैलेक्सी अपार्टमेंट की खिड़कियों की सुरक्षा करते हुए कर्मचारी दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है की सलमान खान की घर की बालकनी में सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। बालकनी को बुलेटप्रूफ ग्लास से सुरक्षित किया गया है। आज 7 जनवरी 2025 को सलमान खान के मुंबई स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर कुछ कर्मचारियों को काम करते साफ देखा जा सकता है। कैसे यह सभी सलमान की सुरक्षा के लिए घर की बालकनी में बुलेटप्रूफ ग्लास लगाते दिखाई दे रहे हैं। बालकनी को चारों तरफ से नीले बुलेटप्रूफ ग्लास से ढका हुआ देखा जा सकता है।

सुरक्षा चिंताओं के बीच सलमान खान भारी सुरक्षा घेरे में सार्वजनिक रूप से दिखाई दे रहे हैं। सुपरस्टार, हाल ही में गुजरात के जामनगर गए थे, जहां उन्होंने अंबानी परिवार के घर पर दोस्तों और परिवार के साथ शानदार तरीके से अपना 59वां जन्मदिन मनाया गया।

सलमान यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनका काम प्रभावित ना हो। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वह रश्मिका मंदाना के साथ अपनी आगामी फिल्म सिकंदर की अंतिम शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। आखिरी शेड्यूल कथित तौर पर 10 जनवरी को मुंबई में शुरू होगा। सिकंदर को ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

काम की बात करें तो सिकंदर के आधिकारिक टीजर ने दर्शकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है और दबंग के प्रशंसक सिकंदर से जुड़ी अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसमें सलमान को एक्शन से भरपूर अवतार में दिखाया जाएगा। सिकंदर में सलमान के अलावा सत्यराज, प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल और शरमन जोशी भी शामिल हैं। सिकंदर, साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रस्तुत और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित फिल्म है।

खराब सेहत की वजह से आसाराम को अंतरिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अनुयायियों से नहीं मिल सकेंगे

103

नई दिल्ली : दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम बापू जल्द जेल से बाहर आएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में दुष्कर्म मामले में आसाराम बापू को चिकित्सा आधार पर 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतरिम जमानत पर रिहा होने के बाद आसाराम सबूतों से छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं करेंगे और अपने अनुयायियों से नहीं मिल सकेंगे।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने आसाराम को रिहाई के बाद अपने अनुयायियों से नहीं मिलने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि 86 वर्षीय आसाराम हृदय रोग के अलावा उम्र संबंधी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। वह केवल चिकित्सा आधार पर इस मुद्दे की जांच करेगा।

आसाराम को 2013 में अपने जोधपुर आश्रम में 16 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने का दोषी ठहराया गया था। 2018 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इससे पहले उसने कई बार स्वास्थ्य के आधार पर सजा निलंबित करने की याचिका दायर की थी, लेकिन याचिका को पहले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने 2023 में गांधीनगर अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने की आसाराम की याचिका पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा था। आसाराम वर्तमान में बलात्कार के एक अन्य मामले में राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद है।

अगस्त में सात दिन के लिए आया था जेल से बाहर : इससे पहले अगस्त में आसाराम को दिल संबंधी बीमारी का इलाज कराने के लिए जोधपुर की सेंट्रल जेल से बाहर लाया गया था। हाईकोर्ट ने 13 अगस्त को आसाराम को पुलिस हिरासत में महाराष्ट्र के एक आयुर्वेदिक अस्पताल में सात दिनों तक इलाज कराने की अनुमति दी थी। साथ ही पैरोल देते समय हाईकोर्ट ने कुछ शर्तें रखी थीं, जिसमें यह भी शामिल था कि उसके साथ चार पुलिसकर्मी यात्रा करेंगे, उन्हें अपने साथ दो परिचारक रखने की भी अनुमति थी। उसे पुणे में एक निजी कॉटेज में रखा जाएगा और इलाज का पूरा खर्च और आने-जाने के साथ-साथ पुलिस व्यवस्था में होने वाला खर्च भी उसे ही वहन करना होगा।

श्री राधाकृष्ण मंदिर पुंदाग में श्रीमदभागवत कथा, स्वामी सदानंद महाराज ने भक्तों को संदेश दिये

रांची : श्री राधाकृष्ण मंदिर पुंदाग में चल रहे श्रीमदभागवत कथा के दूसरे दिन स्वामी सदानंद महाराज ने भक्तों को संदेश दिये। उन्होंने कहा कि जो लोग विषय चिंतन में लगे रहते हैं उनकी इंद्रिय विषयों में फंस जाती है। उनको उन्हीं की ओर खींच लेती है, जैसे जलाशय के तीर पर उगे पेड़। ठीक उसी प्रकार इंद्रियां शक्ति मन, बुद्धि, विचार और शक्ति को हर लेती हैं। अतः सकारात्मक सोच के साथ चिंतन करें। श्री हरि की लीलाओं के श्रवण से भगवत प्राप्ति कर सकते हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों के हृदय में बसे प्रेम व बाल लीला का भी वर्णन किया। भक्तों को आनंद विभोर कर दिया। स्वामी मोहन प्रियाचार्य महाराज ने वाणी चर्चा में श्रीमद्भागवत गीता ज्ञान की चर्चा की। सुंदर भजन का श्रवण कराकर भक्तों को आनंद विभोर कर दिया। वहीं श्री कृष्ण के जन्म के समय पूरा मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के बाद कथा को विश्राम दिया गया। चार दिवसीय भागवत कथा के दूसरे दिन यजमान सुनीता अग्रवाल-राजू अग्रवाल और संस्था के सदस्यों ने पूजन किया। श्रीमद्भागवत की आरती की गयी। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, नवल अग्रवाल, विद्या अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, अनिल कुमार अग्रवाल, विशाल जालान, अजय खेतान, मनीष जालान, वेंकट गाड़ोदिया आदि उपस्थित थे।

ग्राम विकास विद्यालय के पुर्ववर्ती छात्रों के मिलन समारोह आयोजन

मुरी: सिल्ली रामडेरा स्थित मृग पुनर्वास केंद्र के समीप ग्राम विकास उच्च विद्यालय के 1984 बैच के मैट्रिक पास करने वाले पूर्ववर्ती छात्रों के द्वारा मिलन समारोह सह पिकनिक का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पटना, रांची एवं सिल्ली आसपास से छात्र सुबह में ही कार्यक्रम स्थल में पहुंचे। इन छात्रों में व्यवसायी, कृषक, शिक्षक, उषा मार्टिन, रेलवे आदि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पूर्ववर्ती छात्र शामिल है। इस दौरान आपस में मिलते ही सभी ने एक दुसरे का स्वागत कर हालचाल पूछा तो कई लोग भावुक भी हुए। सभी ने अपने पुराने दिनों की यादों को ताजा करते हुए कुछ मस्ती व हंसी ठिठोली भी किए। वहीं सभी ने विद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद किया। सामुहिक भोजन के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर संजीव कुमार भगत, समीर सिंह, मथुर प्रसाद महतो, अनंत सिंह, अरुण जालान, निरंजन महतो, रामानुज गुप्ता, प्रभु दयाल चौधरी, सुनील महतो, पुरंदर महतो, ठाकुरदास महतो, जम्मू महतो, विपिन बिहारी देवरत्न, दिनेश पांडे, घनेनाथ महतो, ब्रजभूषण महतो, मनोज कुमार महतो, विश्वेश्वर महतो, भागीरथ हजाम, मोहनलाल महतो, राजेंद्र उरांव, अनुज सिंह, रामानुज गुप्ता आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत वृद्धजनों और विकलांगों के बीच निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित

मांडर : नगड़ा पंचायत भवन में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वृद्ध और जरूरतमंद नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में करीब 100 वरिष्ठ और विकलांग नागरिकों को सामग्री जैसे व्हीलचेयर, नी ब्रेस, कमर का बेल्ट, और वॉकिंग स्टिक प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इसमें कांग्रेस नेता और समाजसेवी अमानुल्लाह अंसारी और झिरगु टाना भगत ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के आयोजन में नगड़ा पंचायत के मुखिया बहादुर उरांव, डिसेबल्ड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव अफरोज अंसारी, महामंत्री नेशार अख्तर, वीआरएसएस के जाहिद अंसारी, दीप्ति आसरा समिति, रांची के चंद्रमौली पांडे, और अलीमको के अभिनाश कुमार और ऐश्वर्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम के सफल समापन में मजिबूल अंसारी, संदीप तिर्की, रबुल अंसारी, और सैकड़ों ग्रामीणों का सहयोग सराहनीय रहा। इस आयोजन ने वृद्धजनों और विकलांग नागरिकों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

बाइकों की टक्कर में दो महिलाओं समेत चार घायल

मांडर : मांडर के शिव मंदिर के समीप सोमवार को हुई सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। यह हादसा दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। घायलों में रंजीत मुंडा (29), रीना देवी (35), कनिका देवी (21), और राहुल एक्का (25) शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पिठोरिया के बाढ़ू बरवाटोली निवासी रंजीत मुंडा अपनी दो बहनों रीना देवी और कनिका देवी को बाइक पर डॉक्टर के पास चान्हो लेकर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे कठचांचो निवासी राहुल एक्का की बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद रंजीत मुंडा, रीना देवी और कनिका देवी को बेहतर उपचार के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। वहीं, राहुल एक्का को भी हल्की चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरकार आपके द्वार जल्द होगा शुरू

56 लाख से अधिक लाभुकों को मिला तोहफा

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छह फरवरी को नामकुम के खोजा टोली आर्मी मैदान में मंईयां सम्मान योजना की 56,61,791 महिलाओं के बीच 1415।44 करोड़ की राशि ट्रांसफर की। 25-25 सौ रुपये हर महिला लाभुकों के खाते में भेजे गये। सीएम ने कहा कि सरकार बनने के बाद यह पहला ऐतिहासिक कदम आधी आबादी के लिए उठाया गया है। उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि आज जो महिलाओं को नजरअंदाज करेगा, वह सत्ता में नहीं आयेगा। मौके पर सीएम ने बहुत जल्द ही सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की।

झारखंड से पिछड़ेपन की कालिख पोंछनी है-हेमंत सोरेन : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड से पिछड़ेपन की कालिख पोंछनी है। देश की आजादी के पहले और बाद में यहां कई प्रतिष्ठान लगे, मगर इससे इस राज्य का भला नहीं हो पाया। लोग गरीब होते चले गये, अमीर, अमीर होते चले गये। यहां के बैंकों का रुख झारखंड वासियों के लिए भेदभावपूर्ण रहा। यहां का जमा पैसा बड़े-बड़े उद्योगों, उद्यमियों और पूंजीपतियों को दे दिया जाता है। इसलिए बैंक अपनी कार्यसंस्कृति सुधारें। घर बनाने के लिए, पढ़ने के लिए, व्यापार के लिए लोन नहीं मिलेगा, तो कैसे चलेगा। उन्होंने लोगों से कहा कि सरकारी अनाज छोड़कर अपना उपजाया हुआ अनाज खाने की आदत डालें, तब इस राज्य को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है। हम विकसित राज्य और देश की परिकल्पना करते हैं। हम देश को विश्वगुरु बनाने का संकल्प लेते हैं। मगर यह बहुत विचित्र स्थिति है। जब हमारी आधी आबादी गरीब है, तो यह कैसे संभव है।

महिलाओं को मजबूत करने की अब मच गयी है होड़ : मुख्यमंत्री ने कहा कि आज महिला एवं पुरुष एक साथ कंधे से कंधे मिलाकर काम करने की क्षमता रखते हैं। मगर महिलाओं को वह ताकत और रास्ता नहीं मिला। ये महिलाएं देश और राज्य के विकास में अहम हिस्सेदारी निभा सकती हैं। अबुआ सरकार ने राज्य की आधी आबादी को मंईयां सम्मान के साथ उन्हें वह ताकत देने का काम किया है। जो कदम उन्होंने उठाया है, उस राह पर दूसरे राज्यों की सरकार चलने को विवश है। आज होड़ मच गयी है कि महिलाओं को कौन कितना सशक्त बना सकता है। राज्य सरकार की ओर से ये पांचवीं किस्त दी गयी। पहली बार बढ़ी हुई राशि 2500 रुपए महिला लाभुकों को दिए गए। इससे पहले (18-50 वर्ष) महिलाओं को 1000 रुपए हर महीने दिए जा रहे थे।

रैंप पर चलकर सीएम और कल्पना पहुंचे मंच पर : कार्यक्रम में ठीक दोपहर दो बजे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन पहुंचे। मंच के ठीक सामने एक लंबा रैंप बनाया गया था, जिस पर दोनों चलकर आये। उनके ऊपर महिलाएं फूल बरसा रही थीं। सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने भी फूल और टॉफियां लोगों पर बरसाये। दोनों महिलाओं का अभिवादन करते हुए रैंप पर चल रहे थे। उनके ठीक पीछे पारंपरिक नृत्य दल भी नृत्य करते हुए चल रहा था। महिलाएं हाथों में प्ले कार्ड लहरा रही थीं। जिसमें लिखा था अबुआ सरकार, साल के 30 हजार। सीएम ने कार्यक्रम के अंत में 50 से अधिक को महिलाओं को सांकेतिक रूप से 25-25 सौ के चेक सौंपे। मंच पर राज्य सरकार के सभी मंत्री, कई विधायक व सांसद उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री लाभुकों से हुए रूबरू : कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सोरेन खुद माइक लेकर रैंप पर पहुंच गये। इस दौरान उन्होंने कई लाभुकों से सीधी बात की। महिलाओं ने बताया कि यह राशि कैसे उनके लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि वह बच्ची को ट्यूशन नहीं पढ़ा पाती थीं, लेकिन अब पढ़ा पायेंगी। कई महिलाओं ने कहा कि वह अब हर महीने गैस सिलिंडर खरीदेंगी। एक महिला ने बताया कि उनके पति बीमार हैं और उनके लिए दवा खरीद सकेंगी।

मौके पर ये थे मौजूद : इस मौके पर मंत्री चमरा लिंडा, रामदास सोरेन, हफीजुल हसन, सुदिव्य कुमार सोनू, शिल्पी नेहा तिर्की, इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह, योंगेद्र प्रसाद, दीपक बिरुआ, सांसद जोबा मांझी, डॉ महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विकास सिंह मुंडा, सुरेश कुमार बैठा, अमित महतो, राजेश कच्छप, रामचंद्र सिंह, ममता देवी, सविता महतो, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडेय, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, मुख्य सचिव अलका तिवारी, डीजीपी अनुराग गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान मुख्य सचिव अविनाश कुमार और विभागीय सचिव मनोज कुमार सहित कई उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 से पहले इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की थी। 18 से 50 साल तक की महिलाओं को 1,000 रुपए दिया जा रहा था। चुनाव के पहले सरकार ने वादा किया था कि फिर सत्ता में लौटे, तो इस राशि को बढ़ाकर 2,500 रुपए कर दिया जाएगा। हेमंत सोरेन की सरकार लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी। अब सरकार ने अपना वादा पूरा किया। मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों के खाते में 1000 रुपये के बजाय अब 2500 रुपए ट्रांसफर किए गए।

मशहूर सैयद की चाय में छुपा है स्वाद का खजाना, लोगों की लगती है भारी भीड़

रांची : वैसे तो चाय हर मौसम में अच्छी लगती है। कुछ लोगों को चाय काफी पसंद होती है। ये लोग दिनभर में कई चाय पी जाते हैं। कर्बला चौक की एक ऐसी दुकान है। जहां पर दशकों से चाय बनाई जाती हैं। यहां आसपास के जनपदों के लोग चाय का स्वाद लेने के लिए लाइन लगाकर दुकान पर खड़े नजर आते हैं और चाय पीकर जाते हैं। सैयद की चाय का नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। इनकी चाय क्वालिटी से भरपूर होती है। जो अपनी अलग पहचान रखती है।रांची में कर्बला चौक पर टी स्टॉल की दुकान है। जहां पर 14 साल पहले दुकानदार ने अपने दुकान पर चाय की शुरूआत की। आज चाय से धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान जिले में बना ली है। इनकी चाय काफी स्वादिष्ट होती है और चाय बनाने का अलग ही अंदाज है। ये दूध में कड़क चाय की पत्ती, छोटी इलायची और अदरक डाल कर चाय तैयार करके लोगो को पिलाते हैं। लोगों को ऐसी चाय बहुत पसंद आती है। इसलिए इनकी दुकान पर बच्चों से लेकर बड़ों तक चाय का स्वाद लेने आते हैं।सैयद दुकानदार ने कहा, 'मैंने सालों पहले 1 रुपये से शुरूआत की थी। आज 5 और 10 रुपये की चाय बिक रही है। इसी से हम अपनी रोजी रोटी चला रहे हैं। मेरी चाय लोगो को पसंद आती है, इसलिए लोग पीने आते हैं औरों से अलग स्वाद भी है। मेरी चाय नुकसान भी नहीं करती इसलिए सुबह से लेकर शाम तक ग्राहकों की काफी भीड़ रहती है। ग्राहकों ने बताया इनकी चाय हम करीब सालों से पी रहे है और भी कई जगह हमने चाय पी पर इनके जैसा स्वाद कहीं नहीं। इनकी चाय बनाने का जो तरीका है एकदम अलग है। जिससे चाय और भी स्वादिष्ट हो जाती है। हम लोग हर रोज यहां शाम को चाय पीने जरूर आते हैं।

गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर गुरुनानक स्कूल में सजा विशेष दीवान

मेट्रो रेज

रांची : गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर सोमवार को गुरुनानक स्कूल में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सहज पाठ के समापन के बाद दीवान सजाया गया। हुजूरी रागी प्रदीप सिंह ने जप मन मेरे गोबिंद की वाणी साधु जन राम रसण बरखानी शबद का गायन किया। असलीन कौर, रसमीत कौर, राजबीर सिंह, हरप्रीत कौर, हरमन कौर, रानी कौर बग्गा ने भी शब्द गायन किये। रसमीत कौर के निर्देशन में रणबीर सिंह, हरजस सिंह, अवीर सिंह, सोहन सिंह, निरखैर सिंह, हरजप सिंह ने भाई नंदलाल द्वारा रचित वाणी हक हक आगाह गुरु गोबिंद सिंह शाही शहंशाह गुरु गोबिंद सिंहङ्क शबद का गायन किया। महेंद्र सिंह होड़ा ने केश की महत्ता पर कविता गोबिंद सिंह का पाठ किया।

तही प्रकाश हमारा भयो पटना शहर विखे भव लयो : डीएवी नंदराज की प्राचार्या रविंदर कौर को विद्यालय में वीर बाल दिवस के लिए सम्मानित किया गया। परमजीत सिंह टिंकू ने गुरुनानक स्कूल की ओर से संगत को बधाई दी। हरमीत सिंह ने रक्तदान की अपील की। अल्पसंख्यक आयोग के ज्योति सिंह ने राज्य सरकार द्वारा छुट्टी घोषित किये जाने पर आभार व्यक्त किया। अमृतसर के ज्ञानी जगदेव सिंह ने गुरु गोबिंद सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला। श्री दरबार साहिब के हुजूरी रागी बलराज सिंह ने तही प्रकाश हमारा भयो पटना शहर विखे भव लयोङ्क, जाप साहिन की वाणी राजान राज, भानन भान देवान देव उपमा महान शबद का गायन किया। कार्यक्रम का संचालन सुरजीत सिंह सलूजा ने किया। अध्यक्ष गुरमीत सिंह और महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने साध-संगत को गुरुपर्व की बधाई दी। इस अवसर कुलतार सिंह, रणप्रीत सिंह, ध्यान सिंह, डॉ हरमिंदर बीर सिंह, हरजीत सिंह सिवंकी, रंजीत सिंह हैप्पी, ज्योति सिंह मथारू, किरपाल सिंह, मवकीयत सिंह, अमरजीत सिंह, राजदीप सिंह आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर लंगर वितरण हुआ।

सिल्ली के बंता संच में स्वस्थ शिविर का आयोजन

मुरी - एकल आरोग्य फाउंडेशन की ओर से रविवार को बंता संच के अडाल , कायार्डीह, और तुन्कु ग्राम में एकल आरोग्य प्रकल्प योजना के तहत जागरूकता अभियान सह स्वस्थ शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में आस पास के कई गांवो के लोगों का स्वस्थ जांच कर दावा दिया गया।तीनों गांव में शिविर का आयोजन किया गया जिसमें करीब तीन सौ लोगों का स्वस्थ जांच किया गया और इन्हें निःशुल्क दावा भी दिया गया। शिविर में रिम्स से आए सीनियर डॉक्टर की देख रख में जांच किया गया । रिम्स से आए डॉ मुकुल भाटिया, डॉ भूपेश,डॉ दिनेश आदि शामिल थे इनके सहयोग के लिए रिम्स से तीस अलग अलग विभाग के प्रशिक्षु चिकित्सक के टीम ने भी सहयोग किया।आरोग्य फाउंडेशन के स्वस्थ शिविर को सफल बनाने में सच के राजनाथ महतो , सुरेंद्र महतो, सावित्री देवी ,संतोषी देवी ओर बिलासो देवी ने तीन दिन पहले से ही गांव में जाकर लोगों को स्वस्त शिविर की जानकारी दी और जागरूक किया गया ताकि लोग जाकर इसका लाभ ले सके।चिकित्सा शिविर का उद्घाटन सिल्ली आरोग्य संच के अध्यक्ष पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ओर संच के सावित्री देवी संतोषी देवी विलासों देवी राजनाथ महतो आदि लोगों ने ने दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कोडरमा में मदनगुंडी टोल प्लाजा पर अनिश्चितकालीन धरना की शुरूआत

कोडरमाः लोकल गाड़ियों को टोल फ्री करने की मांग को लेकर मदनगुंडी टोल प्लाजा संघर्ष समिति के द्वारा मदनगुंडी में स्थित टोल प्लाजा के समीप अनिश्चितकालीन धरना की शुरूआत सोमवार से की गई। जिसमें बरही विधानसभा व बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला व जानकी यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। वहीं इस धरना में कांग्रेस व अन्य दलों के कई नेता जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस धरना प्रदर्शन में लोगों की मुख्य मांग स्थानीय सभी प्रकार के वाहनों को फ्री करना, 75 फीसदी स्थानीय लोगों को टोल पर नौकरी देना आदि है। धरना प्रदर्शन कर रहे बरही विधानसभा के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि जिस समय इस टोल का निर्माण हो रहा था, उस समय से ही हमने इसका विरोध किया। लेकिन कुछ स्थानीय दलाल के कारण यहां पर इस टोल का निर्माण का समर्थन किया गया और उनके द्वारा अपने कुछ लोगों को नौकरी दिलवा दिया गया। अगर जल्द लोकल सभी प्रकार के वाहनों को टोल फ्री नहीं किया गया तो आंदोलन उग्र होगा। इधर, टोल मैनेजर रंजन यादव ने कहा कि एनएचएआई के नियमानुसार 20 किलोमीटर के अंतराल की जितनी भी वाहन हैं, उनका 340 रुपए के मासिक पास बनाने का प्रावधान है फिर भी हमारे द्वारा लोकल वाहनों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावे हमने अब तक कुल 9 सौ लोकल वाहनों का मुफ्त पास बनाया है। वहीं कमर्शियल वाहनों को लेकर उन्होंने कहा कि एनएचएआई के प्रावधान में कमर्शियल वाहनों को किसी भी प्रकार की छूट देने का कोई भी प्रावधान नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

56 लाख महिलाओं को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का तोहफा : विधायक

बोकारो : रांची स्थित नामकुम के खोजाटोली आर्मी ग्राउंड में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड प्रदेश की महिलाओं को ये सौगात दी है।प्रदेश की 56 लाख 61 हजार 791 महिला लाभुको के खाते में दिसंबर माह के 2.5 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। इस कार्यक्रम में बोकारो विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्वेता सिंह भी शामिल हुई। श्वेता सिंह ने कहा कि इंडिया गठबन्धन की सरकार ने वादे के मुताबिक आज हजारों करोड़ रुपयों की सम्मान राशि झारखंड की बहनों के खाते में पहुंचाई है,लेकिन आज के इस भौतिकवादी युग में यह अभी भी चिंता का विषय है कि देश की आजादी के बाद कई नियम-नीतियां बनीं लेकिन न गरीबी दूर हुई और ना ही महिलाओं का सशक्तिकरण ही हो पाया।श्रीमती सिंह ने कहा कि देश की आधी आबादी तो हमेशा पिछड़ा रहने को विवश हुईं है,एक तरफ हम भारत को विश्व गुरु बनाने और ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लेते हैं और दूसरी तरफ आधी आबादी को दरकिनार करते हैं।जब इस देश की आधी आबादी विकास से कोसों दूर हो तो देश और राज्य कैसे विकास कर सकता है? यह हमारी समझ से परे है। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (खटटर) की आवाज आज देश में हर जगह गूंज रही है।मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना के सृजन के पीछे का उद्देश्य यह है कि वर्षों से झारखंड प्रदेश में महिलाएं कर्ज के तले दबी हुई थी लेकिन वर्तमान समय में इस योजना के लाभ से धीरे धीरे कर्ज की जंजीरें टूट रही है और महिलाएं सशक्त होने लगी हैं और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता भी समाज में सुनिश्चित हुई है जिससे कि समाज सबल और सुदृढ़ बन रहा है।

दो लकड़ी तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट वन विभाग के वन क्षेत्र पदाधिकारी अशोक कुमार के नेतृत्व में पालकोट प्रखंड के सुदूर पंचायत बिलिंग वीरा के केरा टोली गोईन धारा गांव के जंगल में अवैध रूप से सखुआ लकड़ी तस्करी करने वाले दो लोगो को वन विभाग के अधिकारी गिरफ्तार कर जेल भेज दिये. जिसमें केरा टोली गोईन धारा गांव के बिष्णु किसान व उसी गांव के दिलू खड़िया को वन विभाग के अधिकारी के द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इस संदर्भ में वन क्षेत्र पदाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि केरा टोली गांव के गोईन धारा गांव के जंगल में दोनों अभियुक्तों के द्वारा अवैध रूप से सखुआ लकड़ी काटकर बेचने के फिराक में थे.तभी गुप्त सूचना मिलने पर हम पालकोट वन विभाग के कर्मचारी के साथ 151 चिरावन का पटरा जिसका बाजार में कीमत एक लाख रुपये का है. उनके घर व जंगल से गिरफ्तार करते हुए दोनों अभियुक्तों जेल भेज दिया गया और लकड़ी को वन विभाग पालकोट में रख लिया गया है। अभियान में वन पाल कृष्णा महतो, वनरक्षी संदीप कुमार, गोकूल कुमार महतो, तुर्जन मुंडा, किस्टो कर्मकार, लौया खड़िया, तारक ठाकुर, रिझू साहू, अमृत केरकेट्टा, राधेश्याम साहू, गंदूर प्रसाद सिंह, जगमोहन महतो, मनोज लोहरा, संजय खाखा, लक्ष्मण साहू, जय प्रकाश मुंडा, ललित तिर्की, सुभाष उरांव, प्रभात कुमार प्रजापति, दीपक सिंह, अमित लोहरा आदि वन विभाग के लोग शामिल हैं।

बड़गाईं अंचल अधिकारी को अंचल अधिकारी शहर का प्रभार

रांची : बड़गाईं अंचल अधिकारी श्री शिवशंकर पांडेय को अंचल अधिकारी शहर, रांची का प्रभार दिया गया है। शहर अंचल में होने वाले कार्य सुचारू रूप से हो इस आलोक में उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा बड़गाईं अंचल अधिकारी श्री शिवशंकर पांडेय को अंचल अधिकारी शहर का प्रभार दिया गया। उपायुक्त द्वारा दाखिल-खारिज, सर्टिफिकेट एवं अन्य ऑनलाइन कार्य को कार्य को लेकर ऑफिस आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

उपायुक्त ने शहीद सरदार गया मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

विनय मिश्रा

खूंटी : आज शहीद सरदार गया मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मुरहू प्रखंड के एटकेडीह में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद सरदार गया मुंडा भगवान बिरसा मुंडा के प्रमुख सेनापति थे, जिन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ अपने अदम्य साहस और बलिदान से इतिहास रच दिया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री मिश्रा ने कहा कि - शहीद सरदार गया मुंडा का बलिदान देश के लिए अमूल्य है। उन्होंने हमें स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ने का अद्वितीय उदाहरण दिया है। हमें उनके आदर्शों और बलिदान से प्रेरणा लेकर समाज और देश के उत्थान में योगदान देना चाहिए। इस दौरान मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों ने भी माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदानों को याद किया।

सीताराम साव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मना गुरु गोविंद सिंह जयंती

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित भरनो प्रखण्ड के सीताराम साव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर भरनो के विवेकानंद सभागार में सोमवार को गुरु गोविंद सिंह जयंती का शुभारंभ प्रधानाचार्य सुरेश कुमार राय एवं अभिभावक सीके शर्मा द्वारा उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर किया गया।मौके पर प्रधानाचार्य सुरेश कुमार राय द्वारा गुरु गोबिंद सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए स्कूल के भैया बहनों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सच्चे देशभक्त बनने की अपील की गई।मौके पर अभिभावक सीके शर्मा द्वारा गुरु गोबिंद सिंह के जीवन की प्रेरणादायी बातों को ग्रहण कर भैया बहनों को राष्ट्रभक्त हित में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर देश सेवा की बात कही गई।

रातू लूट कांड के आरोपियों का पोस्टर जारी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : राजधानी रांची की पुलिस के द्वारा रातू लूट कांड के आरोपियों के पोस्टर जारी किए गए हैं।26 दिसंबर 2024 को रांची के रातू थाना क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से अपराधियों ने दिनदहाड़े करीब 14 रुपए लूट लिए थे। हैरानी की बात है कि घटना के करीब 15 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ अब तक एक भी अपराधी नहीं लगा है।

20 हजार रुपये इनाम की घोषणा

राँची पुलिस के द्वारा जारी किए गए प्रेस रिलीज में बताया गया है कि रांची के रातू थाना क्षेत्र में 26 दिसंबर को स्टेट बैंक काठीटांड पास एक व्यवसायी से पैसे की छिनतई की गई थी, जिसमें सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान हुई है।उक्त दोनों अपराधी के बारे में कोई भी जानकारी अगर किसी के पास हो तो, वह निःसंकोच होकर पुलिस को नीचे दिए नंबरों पर इसकी सूचना जरूर दें।सूचना देने वाले को 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।साथ ही सूचना देने वाले का नाम एवं पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी।

इस नंबर पर सूचना दें:-

एसएसपी रांची - 9431706136

ग्रामीण एसपी रांची - 9431706138

डीएसपी हेड क्वार्टर 2- 9431706142

रातू थाना प्रभारी - 9431706175

बता दें 26 दिसंबर की दोपहर रातू स्थित पेट्रोल पंप के एक कर्मचारी 14 लाख रुपये लेकर बैंक में जमा करवाने के लिए निकले थे। बैंक से कुछ दूर पहले ही बाइक सवार दो अपराधियों ने कर्मचारी को रोका और पैसे भरा बैग छीनकर फरार हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हो गई थी।अपराधियों की तस्वीर भी स्पष्ट रूप से पहचान की जा रही थी, लेकिन इसके बावजूद रातू पुलिस कांड का खुलासा नहीं कर पाई है। जिसके बाद वरीय अधिकारियों ने घटना में शामिल अपराधियों के पोस्टर जारी किए है।

डीजीपी व डीजी होमगार्ड हाईकोर्ट में हुए हाजिर

कोर्ट ने अवमानना याचिका किया ड्रॉप

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने होमगार्ड जवानों को समान काम के बदले समान वेतन देने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान हाईकोर्ट में डीजीपी अनुराग गुप्ता और डीजी होमगार्ड अनिल पालटा कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। कोर्ट ने अवमानना याचिका को ड्रॅाप करते हुए कहा कि चूंकि इस मामले में राज्य सरकार अपील में हुए है। इसलिए होमगार्ड के जवानों का एरियर सरकार के अपील के फैसले पर निर्भर करेगा। कोर्ट ने कहा कि होमगार्ड के वर्तमान में मिल रहे बढ़े हुई सैलरी मिलता रहेगा। इससे पूर्व महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हाईकोर्ट के 25 अगस्त 2017 के प्रभाव से होमगार्ड जवानों के बढ़े हुए वेतन का लाभ देने के हाईकोर्ट के आदेष के खिलाफ सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की है। राज्य सरकार ने 10 अगस्त 2024 को हामगार्ड के जवानों को पुलिसकर्मियों के समकक्ष समान कार्य का समान वेतन देने का आदेष जारी किया है। जिसके आधार पर वर्तमान में होमगार्ड जवानों को बढ़ी हुई सैलरी मिल रही है। होमगार्ड जवानों को एरियर भुगतान में कई वितीय कठिनाइयां भी है सरकारी स्तर पर अभी इस पर निर्णय नहीं लिया गया है।

गुरु गोविंद सिंह के प्रकाशपर्व पर शबद कीर्तन एवं लंगर का हुआ आयोजन

मेट्रो रेज

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित पालकोट रोड गुमला में अवस्थित गुरुद्वारे में सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सहज पाठ की समाप्ति हुई , तथा सुखमनी साहिब के पाठ सहित वाहे गुरु जी दा खालसा, वाहे गुरुजी दी फतेह और वाहो-वाहो गुरु गोविंद सिंह...आपै गुरु चेला तथा सवा लाख से एक लड़ाऊ ता मैं गुरु गोविंद सिंह नाम कहाऊं की वाणियों के साथ शबद कीर्तन में सुरमयी प्रस्तुतियां हुई। गोविंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव के मौके पर ऐसे ही श्रद्धामयी नजारे दिनभर नजर आए। इस मौके पर मुख्य दीवान के आयोजन के साथ ही सहज पाठ के भोग, गुरु इतिहास पर व्याख्यान और महिला सत्संगियों की ओर से शबद कीर्तन किया गया। इस दौरान सभी के भले की अरदास के उपरांत गुरुद्वारा के बाहर सभी जाति धर्म के लोगों के लिए सामूहिक रूप से गुरु के लंगर का आयोजन भी

किया गया। प्रकाशपर्व के अवसर पर गुरु गोविंद सिंह फाउंडेशन गुमला के नवयुवकों द्वारा गुरुजी के आदर्श, सिद्धांतों और मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वस्व समर्पण करने की भावना को याद करते हुए , उन्हें आत्मसात कर देश और समाज की रक्षा और विकास के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया गया ।

आज पूरे भारतवर्ष सहित विश्व में संबंधित सिख समुदाय के लोगों द्वारा आज गुरु गोबिंद सिंह जयंती मनाई जा रही है । गुरु गोबिंद सिंह जयंती सिख समुदाय का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो सिख धर्म के दसवें और अंतिम गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह को समर्पित है. यह दिन उनकी शिक्षा, बलिदान और समर्पण की याद दिलाता है।

सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर प्रकाशोत्सव के रूप में गुरुपर्व इस वर्ष 6 जनवरी, को मनाई जा रही है । गुमला की सिख श्रद्धालुओं के द्वारा गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में गुरुद्वारा के सेवक सचिव सरदार रंजीत सिंह, कमलेश कौर, रविंद्र कौर, जशवंत कौर सहित गुरु गोविंद सिंह फाउंडेशन गुमला के अध्यक्ष जसबीर सिंह तथा गगनदीप सिंह , सहित सरदार गुरविंदर सिंह, सरदार मनोहर सिंह , सरदार दिलदार सिंह, प्रीतपाल सिंह, प्रीतम सिंह, रौनक सिंह, गुरविंदर सिंह, अमरजीत सिंह, गुरमीत सिंह, हरजीत सिंह, सुरेंद्र सिंह, होशियार सिंह, गुरमीत सिंह, छोटू सिंह, काले सिंह राजिन्द कौर, इंदु कौर, कवलजीत कौर, कमलजीत कौर ,सहित समस्त श्रद्धालु उपस्थित थे ।

श्री श्याम सेवा समिति का द्वितीय वार्षिक समारोह 10 को

रांची : आज सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन के सभागार में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया ,जिसका उद्देश्य श्री श्याम सेवा समिति, चुटिया का द्वितीय वार्षिक समारोह का आयोजन दिनांक 10 जनवारी को होना तय किया गया है, संध्या 5:00 बजे से श्याम बाबा का निशान यात्रा श्री राम मंदिर, चुटिया प्रांगण से आयोजन स्थल तक आएगी` संध्या 6:30 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित के साथ होगा इसके बाद संगीतमय भजन ज्योत एवं बाबा का श्रृंगार देर रात तक किया जाएगा` कार्यक्रम में पूजा पारीक एवं नीरज जलान ,चांडिल के द्वारा संगीतमय भजनों की गंगा प्रवाहित की जाएगी इसके अलावा श्याम सेवा समिति के सदस्यों द्वारा भी भजन प्रस्तुत की जाएगी` रात्रि 9:00 बजे से श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण करेंगे सभी कार्यक्रम सेठ रामेश्वर लाल स्मृति भवन चुटिया के सभागार में होगा। कार्यक्रम के मुख्य जजमान प्रमोद पोद्दार हैं` कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालन हेतु मुख्य संयोजक दीपक अग्रवाल एवं सहसंयोजक प्रदीप मोदी को बनाया गया है ,इस अवसर पर अध्यक्ष कमल अग्रवाल, श्री श्याम सेवा समिति के राजेश अग्रवाल ,रवि गुप्ता, हरिशंकर शर्मा ,डॉ.भरत कुमार अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे`

दृष्टि दोष पढ़ाई में बाधक : डॉ दीपिका सिंह

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा ज्ञान दर्शन पब्लिक स्कूल के बच्चों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में बच्चों के दृष्टि दोष की जांच की गई। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा की नेत्र की समस्या के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है और ऐसे बच्चे पढ़ाई में बिछड़ते जाते हैं।

शहर की प्रख्यात नेत्र चिकित्सक डॉ दीपिका सिंह ने कहा की नेत्र जांच शिविर के दौरान आंखों के स्वास्थ्य का आकलन के लिए कई तरह के परीक्षण किए जाते हैं। डॉ दीपिका ने कहा की बच्चों को आंखों की नियमित जांच जरूर करवानी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक प्रकाश केजरीवाल ने कहा की इस शिविर का उद्देश्य छात्रों में दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान करना और उनका समाधान करना था?। प्रकाश ने कहा बच्चों में दृष्टि दोष विकट एवं गंभीर समस्या हो गई है।ज्ञान दर्शन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सुधीर कुंवर ने शिविर लगाने पर रोटरी क्लब चास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे बच्चे और उनके अभिभावक लाभान्वित होंगे। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने बताया कि 1063 बच्चों का नेत्र जांच किया गया।

व्यवसायी महेंद्र ठक्कर का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति : प्रतुल

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व उपाध्यक्ष प्रतुल शाहदेव ने शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी, समाजसेवी एवं रघुवंशी स्टोर के संचालक महेंद्र ठक्कर जी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रतुल ने कहा कि महेंद्र ठक्कर जी ने फर्श से अर्श तक की अपनी सफलता की कहानी खुद लिखी। उनका प्रतिष्ठान विश्वसनीयता के लिए दशकों से जाना जाता रहा है। शहर के व्यावसायिक गतिविधियों और समाज सेवा में भी उनके उल्लेखनीय योगदान रहा है। उनका जाना पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।प्रतुल शाहदेव ने महेंद्र ठक्कर जी के पी पी कंपाउंड में स्थित उनके घर जाकर दिवंगत की आत्मा की शांति की कामना की एवं परिजनों को सांत्वना दी।

10 दिवसीय इस्पात आंचल स्वदेशी मेला का हुआ भव्य शुभारंभ

बोकारो : स्वदेशी वस्तु एक आरंभ है देश को महान बनाने का। स्वदेशी मेला अपने आप में यह विशिष्ट मिला है। जो राष्ट्र को प्रति लोगों में जागृति की भावना लाती है। उपरोक्त कहना है स्वदेशी जागरण मंच के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक एवं अर्थ चिंतक अरुण ओझा का वह यहां के सेक्टर 4 स्थित मजदूर मैदान में मंच द्वारा आयोजित 10 दिवसीय स्वदेशी मेला के उद्घाटन में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देशभर में सबसे ज्यादा प्रदेशों में मेला लगाए जा रहे हैं। जिसमें 50 प्रदेशों में मेला लग चुके है। श्री ओझा ने कहा कि ट्रंप के जीतने का मुख्य कारण उनका दिया हुआ नारा मेगा है। मेक अमेरिका ग्रेट अमेरिका के नारे ने ट्रंप को जिताया है। विश्व व्यापार संगठन हमारे देश में पूंजी लाना चाहते है परंतु श्रमिक नहीं लेना चाहते। वहीं मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक कार्मिक एवं प्रशासनिक राजश्री बनर्जी ने कहा कि इस मेले से पूरे भारत का दर्शन करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि यह मेला स्वावलंबन व सशक्तिकरण का प्रतीक है। जबकि विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक वीरांची नारायण ने कहा कि यह स्वदेशी मेला नहीं वरन स्वदेशी क्रांति है। यह क्रांति का दिया जिस दिन बुझा उस दिन देश गर्त में चली जाएगी । उन्होंने कहा कि 2014 के बाद श्रद्धेय ठेंगरी जी के प्रेरणा से स्वदेशी जागरण मंच ने चीनी वास्तु के बहिष्कार का जो आंदोलन चलाया वह आज साक्षात देखने को मिल रहा है। इसके पूर्व आगत अतिथियों ने सर्वप्रथम भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पर्जन कर मेले का शुभारंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत मंच के कार्यकताओं ने अंग वस्त्र देकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर संघचालक रंजीत बरनवाल ने किया संचालन अजय चौधरी ने किया । विषय प्रवेश मेला संयोजक ब्रिजेश कुमार सिंह ने किया। वही धन्यवाद ज्ञापन प्रमोद कुमार सिन्हा ने किया। वक्ता के रुप में क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह मौजूद रहे।

स्वस्थ राजनीति की बेहतर परिभाषा और उदाहरण

विनय मिश्रा

राजनीति में दल अनेक हो सकते हैं किन्तु स्वस्थ राजनीति हेतु दिल और सोच बेहतर और उत्कृष्ट होनी चाहिए। झारखंड में यह तस्वीर और परिदृश्य उस समय हमें बेहतर और सटीक दिखाई दी जब झारखंड के लोकप्रिय युवा और ऊजार्वान मुख्यमंत्री से चतरा के लोजपा जो राजग गठबंधन का हिस्सा है और इस पार्टी से निर्वाचित विधायक जनार्दन पासवान कांके रोड़ स्थित उनके आवास पर नववर्ष की शुभकामना देने पहुंचे तो मुख्यमंत्री से भावविभोर होकर स्नेह और अपनत्व के साथ दिखाई पड़े। इस दृश्य को देखकर यही कहा जा सकता है कि दल भले ही अलग अलग हो अपनत्व और दिल एक होना चाहिए और साथ ही साथ सकरात्मक सोच भी होनी चाहिए।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित बिशुनपुर : थाना क्षेत्र के घाघरा जुड़वानी निवासी स्वर्गीय तिवारी बृजिया की पुत्री लीलामणि बृजिया 16 वर्षीय ने अपने घर में ही रविवार को साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इधर मृतका के भाई फुले ब्रिजया ने बताया कि पिछले 1 सालों से मेरी बहन गांव के ही संजय बृजिया के साथ वह रह रही थी परंतु संजय बृजिया के द्वारा उसे मारपीट किया जाता था दिनांक 2 जनवरी को भी संजय ने मेरी बहन के साथ मारपीट किया था तो मेरी बहन मेरे घर आ गई थी। रविवार को मैं और मेरी बहन और मेरी पत्नी बनालत बाजार जा रहे थे तभी संजय पहुंचा और डंटे से मेरी बहन को मरने लगा मेरे द्वारा बीच बचाव का प्रयास किया गया तो मुझे भी मरने लगा इसके बाद जबरन मेरी बहन को घर ले गया मैं 5:30 बजे जब बाजार से घर लौटा तो पता चला कि मेरी बहन ने आत्महत्या कर ली है। जिसकी सूचना मैं 112 नंबर में कॉल कर दिया। घटना की सूचना पर बिशुनपुर पुलिस सोमवार सुबह गांव पहुंचकर शव को कब्जे में करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर गुमला भेज दिया । इधर मृतका के भाई फुले ब्रिजया ने बिशुनपुर थाना पहुंचकर संजय बृजिया पर बहन की हत्या करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिक की दर्ज कराया है।

निपु सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर रिम्स को सुधारने के लिए पत्र सौंपा

रांची : राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड अगेंस्ट करप्शन का केंद्रीय संगठन मंत्री निपु सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी से मिलकर रिम्स को सुधारने के लिए पत्र सौंपा। श्री सिंह ने पत्र के माध्यम से कहा कि रिम्स में बेड, ऑक्सीजन की पूर्ति की जाए और डॉक्टर और नर्स की यथाशीघ्र बहाली की जाए और उन्होंने कहा कि रिम्स के बाहर जो भी दवा दुकान है वह दवा प्रिंट रेट से एक रुपया कम नहीं करते हैं उनको कम से कम बीस प्रतिशत छूट देकर दवा बेचने की सलाह दी

जाए साथ ही साथ उन्होंने निजी अस्पतालों पर भी लगाम लगाने को कहा और कहा कि पूरे झारखंड में जितने भी निजी अस्पताल है उसके बेड चार्ज, सभी तरह की जांच और डॉक्टर फी को एक किया जाए और सभी अस्पताल के गेट के पास शीलापट पर उसका रेट चार्ट को अंकित किया जाए और उन्होंने जोर देकर कहां की सभी बड़े-बड़े अस्पताल के सामने कुछ दवा दुकानदार वैसे हैं जो पचासी प्रतिशत छूट का बोर्ड लगाकर कम पढ़े लिखे पेसेंट और उनके गार्जियन को मूर्ख बनाते हैं उस पर भी कार्रवाई होनी चाहिए और उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी से मिलकर मौखिक और पत्र के माध्यम से जल्द से जल्द सभी समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया ।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 27.01.2025 को 15:00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है:- क्र. सं: 1. ई-निविदा सूचना संख्या: 182-24-25, दिनांक: 03.01.2025. कार्य का नाम व स्थान: सहायक मंडल इंजीनियर, उ.प.रेलवे, सादुलपुर के अधीन ट्रेक संबंधित विविध मरम्मत एवं रख-रखाव कार्य तथा सादुलपुर डिपो में पीवे मैटेरियल की अनलोडिंग का कार्य (दो वर्षों के लिए)। अनुमानित लागत मूल्य: ₹32189154.53. धरोहर राशि: ₹ 311000/-. क्र. सं: 2. ई-निविदा सूचना संख्या : 183-24-25, दिनांक: 03.01.2025. कार्य का नाम व स्थान: सहायक मंडल इंजीनियर / लाईन, बीकानेर के नियंत्रण में बीकानेर मंडल पर स्थित एआरएफ फेसिलिटी की मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य 24 माह के लिए। अनुमानित लागत मूल्य: ₹21435099.20. धरोहर राशि: ₹ 257200/-. नोट: अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
19-AR/25
NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

सुविचार

सच्ची सफलता वही है जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त किया जाये

मंदिर में ड्रेस कोड को लेकर हो आम सहमति, तभी हो बदलाव

केरल के मंदिरों में प्रवेश से जुड़े नियमों में सुधार का मसला एक बार फिर जोर पकड़ रहा है। इस बार चर्चा उस ड्रेस कोड को लेकर है जिसके मुताबिक कुछ मंदिरों में प्रवेश करते हुए पुरुष श्रद्धालुओं को बदन का ऊपरी हिस्सा निर्वस्त्र रखना पड़ता है। विवाद शिवगिरी मठ के प्रमुख सच्चिदानंद स्वामी के उस बयान के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने इस प्रथा को जातिवाद का अवशेष बताते हुए इसे बंद करने का आह्वान किया। इसके बाद ही दोनों तरफ से धुआंधार बयानबाजी शुरू हो गई। जहां स्वामी के समर्थकों का कहना है कि इस प्रथा के पीछे गैरब्राह्मण श्रद्धालुओं को मंदिर से बाहर रखने की मंशा छिपी है, वहीं नायर सर्विस सोसाइटी जैसे संगठनों की दलील है कि मंदिर की परंपरा के साथ छेड़छाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है। मिलता-जुलता सा एक विवाद 1982 में गुरुवायूर मंदिर परिसर में ब्राह्मण ऊट्टू (ब्रह्मभोज) के दौरान हुआ था, जब अपना ऊपरी बदन बगैर कपड़ों के रखने से इनकार कर रहे एक व्यक्ति के साथ भोजन परोस रहे लोगों ने मारपीट कर दी। उनके मुताबिक यह जानना जरूरी था कि वह व्यक्ति पांत में बैठे जनेऊधारियों की तरह ब्राह्मण है या नहीं। मंदिर की उस प्रथा को चुनौती देने वाले वह व्यक्ति थे स्वामी आनंदतीर्थन जो प्रसिद्ध समाज सुधारक श्रीनारायण गुरु के शिष्य थे और जातिगत भेदभाव के खिलाफ अपने अभियानों के लिए जाने जाते थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री के करुणाकरण ने उस मामले में तत्काल हस्तक्षेप किया। उसी स्थान पर एक भोज आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री समेत सभी समाज के लोग शामिल हुए। उसके बाद ब्राह्मण भोजन की वह परंपरा बंद हो गई। इस बार मौजूदा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी सच्चिदानंद स्वामी की अपील का समर्थन किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि कोई भी बदलाव सर्वसम्मति बनाकर ही किया जाना चाहिए। बात सही भी है। आम सहमति के बगैर किया गया बदलाव स्थायी नहीं होता।

डैम बना रहे चीन की बढ़ेगी टेंशन!

चीन की तरफ से यारलुंग त्सांगपो पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने और भारतीय क्षेत्र लद्दाख में नए काउंटी का नाम रखने के फैसले के बीच भारत ने एक अहम फैसला लिया है। भारत की वन सलाहकार समिति (ऋअउ) ने सिक्किम में भारत-चीन सीमा के पास योंगडी में 2,000 मीटर की फायरिंग रेंज को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ में 16 मेगावाट के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट को मंजूरी दे दी है। यह प्लांट 2012 में बादल फटने से बह गया था। लगभग 15,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित सिक्किम फायरिंग रेंज देश में सबसे अधिक ऊंचाई पर होने की उम्मीद है। यह इस क्षेत्र में एकमात्र भारी कैलिबर वाली फायरिंग रेंज होगी। मंगन जिले में लाचेन नदी के तट पर बनने वाली फायरिंग रेंज से लगभग 87 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित होगा। यह साइट प्राकृतिक रूप से फनल वाला क्षेत्र है, जो एक लेटरल ग्लेशियर के पीछे हटने के कारण बना है। इससे फायरिंग रेंज को 'दुश्मन की नजरों' से प्राकृतिक सुरक्षा मिलेगी, ऐसा वन मंत्रालय को बताया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र तीन तरफ से पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा हुआ है और एक तरफ खुला है। इससे लाइव फायरिंग से जुड़े खतरे भी कम हो जाते हैं। रेंज की लंबाई को देखते हुए, टैंक के गोले के पर्वत श्रृंखलाओं से टकराने की संभावना बहुत कम है। इससे प्राकृतिक संरचनाओं पर प्रभाव कम से कम होगा। सशस्त्र बलों ने कहा है कि उत्तरी सिक्किम में भारी कैलिबर उपकरणों को शामिल किए जाने और ह्यचीन के साथ सीमा की संवेदनशीलताह्न के कारण ऑपरेशनल तत्परता महत्वपूर्ण है।

सुरक्षा कारणों और सीमा की निकटता को देखते हुए, भारी कैलिबर उपकरणों को सिक्किम से हटाना और बाहर ले जाना संभव नहीं है। सशस्त्र बलों ने कहा है, उन्होंने एक नई फायरिंग रेंज की स्थापना को ह्यऑपरेशन जरूरत' बताया है। सशस्त्र बलों ने कहा है कि उनका इरादा साल में केवल दो बार अभ्यास करने का है। हालांकि, प्रस्तावित रेंज के आसपास कई उच्च ऊंचाई वाली झीलों - ताशा चो, गोचुंग त्सो, त्सो टार्न आदि - के अस्तित्व के कारण पर्यावरण संबंधी चिंताएं हैं। तीस्ता नदी की एक सहायक नदी लैंचेन नदी से निकटता भी चिंताजनक है क्योंकि भारी कैलिबर उपकरणों की फायरिंग से गाद के भार और जल निकासी पैटर्न पर संभावित प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा नाजुक पर्वत श्रृंखलाओं पर कंपन का प्रभाव पड़ता है। हालांकि, एफएसी ने सुरक्षा उपायों, निगरानी प्रणालियों, केवल दिन के समय फायरिंग और बेकार गोला-बारूद और विस्फोटित गोले के उचित निपटान पर चेतावनी के साथ फायरिंग रेंज के लिए 87 हेक्टेयर (प्रभाव क्षेत्र के लिए 30 हेक्टेयर और सुरक्षा क्षेत्र के लिए 57 हेक्टेयर) जंगल को डायवर्ट पर सहमति व्यक्त की है।

डिजिटली भुगतान के फायदे और जोखिम

यूपीआई का लागत मुक्त मॉडल ग्रामीण भारत तक पहुंच गया है। इसने छोटे विक्रेताओं, व्यवसायों और उद्यमियों को सशक्त बनाया है। स्ट्रीट वेंडर, छोटे व्यापारी और किराना स्टोर भी अब डिजिटली भुगतान स्वीकार करने के लिए यूपीआई का उपयोग करते हैं। यूपीआई ने पहले से बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावी रूप से लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उदय परिवर्तनकारी रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई लेनदेन 11.5 बिलियन ((26.9 लाख करोड़) से अधिक हो गया। दो थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स फोन-पे और गूगल-पे के बीच बाजार का संकेन्द्रण यूपीआई लेनदेन के 80 फीसद से अधिक को नियंत्रित करता है।यह चिंता का विषय है। निश्चिततौर पर यूपीआई के चलन ने डिजिटली भुगतान में क्रांति ला दी है। अगस्त 2024 में यूपीआई के माध्यम से 20.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह भारत के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इसके व्यापक महत्व को दशार्ता है। इसकी खास बात यह है कि यूपीआई यूजर को इसके लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ा। यही बात इसके पक्ष में जाती है।

यूपीआई का लागत मुक्त मॉडल ग्रामीण भारत तक पहुंच गया है। इसने छोटे विक्रेताओं, व्यवसायों और उद्यमियों को सशक्त बनाया है। स्ट्रीट वेंडर, छोटे व्यापारी और किराना स्टोर भी अब डिजिटली भुगतान स्वीकार करने के लिए यूपीआई का उपयोग करते हैं। यूपीआई ने पहले से बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावी रूप से लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लाखों ग्रामीण और वंचित भारतीय यूपीआई के माध्यम से महत्वपूर्ण डिजिटली वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम हुए हैं। यूपीआई ने सरकारी सेवाओं के साथ एकीकृत एक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक प्लेटफार्म प्रदान करके निश्चिततौर पर महत्वपूर्ण काम किया है पर दो थर्ड पार्टी ऐप प्रदाताओं के बीच बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है। कुछ खिलाड़ियों की उच्च बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण प्रणालीगत जोखिम पैदा करती है।उदाहरण के लिए अगर फोन-पे या गूगल-पे में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ जाती है तो इससे 80 फीसदी तक यूपीआई लेनदेन बाधित हो सकता है। इससे राष्ट्रीय स्तर पर व्यवधान और घबराहट पैदा हो सकती है।दो प्रमुख खिलाड़ियों के वर्चस्व वाला बाजार स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में बाधा डालता है। यह नवाचार भुगतान सेवाओं के विकास को हतोत्साहित करता है। फोन-पे और गूगल-पे की बाजार में जबरदस्त मौजूदगी ने पेटीएम के छक्के छुड़ा दिए हैं।

विदेशी स्वामित्व वाले टीपीएपी का प्रभुत्व डेटा सुरक्षा, उपयोगकर्ता गोपनीयता और भारतीय नागरिकों की संवेदनशील वित्तीय जानकारी तक संभावित पिछले दरवाजे से पहुंच से संबंधित जोखिम पेश करता है। वॉलमार्ट द्वारा फोन-पे और गूगल द्वारा गूगल-पे का विदेशी स्वामित्व व्यक्तिगत वित्तीय डेटा की सुरक्षा और विदेशी संस्थाओं की अनाधिकृत पहुंच की संभावना पर चिंता बढ़ाता है। क्षेत्रीय भाषाओं या स्थानीय व्यावसायिक जरूरतों के लिए तैयार किए गए यूपीआई ऐप अकसर गूगल-पे और फोन-पे जैसे स्थापित बाजार नेताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष करते हैं। पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर के लिए बाजार हिस्सेदारी पर सीमा निर्धारित करने से बेहतर प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो सकती है और प्रणालीगत जोखिम कम हो सकते हैं। फोन-पे और गूगल-पे की बाजार हिस्सेदारी को 30 फीसद तक सीमित करने के भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के पहले के प्रयास बाजार प्रभुत्व को संतुलित कर सकते हैं। भारतीय स्वामित्व वाले पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर का समर्थन करने से विदेशी खिलाड़ियों पर निर्भरता कम हो सकती है और नियामक निगरानी में सुधार हो सकता है। यूपीआई ऐप्स के लिए बैकअप सर्वर बनाने से आउटेज या तकनीकी कठिनाइयों के दौरान सेवा में रुकावट को रोका जा सकता है। छोटे खिलाड़ियों को अनुदान या सब्सिडी प्रदान करने से नए विचारों को बढ़ावा मिल सकता है और दी जाने वाली सेवाओं की सीमा बढ़ सकती है। सरकार के नेतृत्व वाली नवाचार चुनौतियां छोटे डेवलपर्स को नए भुगतान समाधान पेश करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं। मजबूत डेटा गोपनीयता कानून लागू करने से उपयोगकताओं की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को संभावित दुरुपयोग से बचाया जा सकेगा। **(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

आकाशवाणी : सांस्कृतिक जागरण का विश्वसनीय माध्यम

विषय कोई भी हो वह मनोरंजन का हो या शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, कृषि, युवा, महिला, लोक संस्कृति, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसी सामयिक विषय या घटनाओं का हो । इससे संबंधित संगोष्ठियों और अपने प्रसारण के अन्य स्वरूप में आकाशवाणी सदैव क्षेत्रीय भाषा और स्थानीय बोली का ही समावेश करती है ।

रमेश शर्मा

निसंदेह आधुनिक भारत में आज सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की व्यापकता से आकाशवाणी का आकर्षण प्रभावित हुआ है। लेकिन जन सामान्य के बीच आकाशवाणी का महत्व कम नहीं हुआ है । आकाशवाणी ने भारत की साँस्कृतिक विशेषताओं और विविधता को प्राथमिकता तब भी दी थी जब भारत स्वतंत्र नहीं था । इस विशेषता को जानकर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी ₹मन की बात₹ के लिए आकाशवाणी को प्राथमिकता दी और आधुनिकता के कुछ नए आयाम जोड़े। स्वतंत्रता के बाद भारत ने अपनी आधुनिक यात्रा आरंभ की । नए भारत के निर्माण में उन संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है जिन्होंने स्वतंत्रता के पूर्व भी जन सामान्य के बीच भारत की साँस्कृतिक महत्ता जीवन्त रखी। इनमें आकाशवाणी की भूमिका महत्वपूर्ण है । आकाशवाणी ने भविष्य की दीवार पर उभरते चित्रों को देखकर साँस्कृतिक जागरण का कार्य आरंभ कर दिया था। आकाशवाणी ने भारत की सांस्कृतिक विविधता और विशेषता जो कार्यक्रम प्रसारित किए उससे सामाज में अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति आत्मविश्वास का जागरण हुआ। यही जाग्रति पहले स्वतंत्रता संग्राम में जन भागीदारी और अब भारत राष्ट्र के स्वत्व जागरण का माध्यम है।

यह भारतीय समाज जीवन में स्वत्व और सांस्कृतिक चेतना की जाग्रति ही तो है कि आज भारत पुनः अपने खोए हुए परम वैभव को प्राप्त करने की ओर बढ़ रहा है । संपूर्ण विश्व भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों की ओर आकर्षित हो रहा है । परंपराओं के प्रति अपनत्व का भाव जाग्रत करने में आकाशवाणी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है । अंग्रेजीराज में आकाशवाणी ने भारत की क्षेत्रीय और आँचलिक विविधता पर जो कार्यक्रम प्रसारित किए, सतही तौर पर तो वे केवल मनोरंजन के लगते थे लेकिन उन प्रसारणों से भारतीय समाज जीवन में अपनी परंपराओं के प्रति आत्मविश्वास जागा और वही अब स्वत्व चेतना का आधार बना। आकाशवाणी ने समय के साथ अपने के प्रसारणों की विविधता में निरंतर वृद्धि की । भारत का कोई क्षेत्र, कोई भाषा और कोई स्थानीय बोली ऐसी नहीं जिसमें आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रसारित न होते हों।

आज 23 भाषाओं और 146 बोलियों में आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। राष्ट्र, समाज और जीवन का ऐसा कोई विषय नहीं जिसे आकाशवाणी ने अपने प्रसारण में शामिल न किया हो । प्रत्येक विषय को व्यापक बनाया । साहित्य में गीत, कविता, कवि गोष्ठी, लघुकथा, व्यंग, कहानी, एकांकी आदि सब प्रसारित हुए । भारत के प्रमुख साहित्कारों की जीवनी, लेखन शैली तथा कृतियों से परिचित कराया । बदलते मौसम की विशेषता और उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव, बीमारियां और बीमारी से बचने के उपाय विशेषज्ञों की वाताओं के माध्यम से समझाये, इसमें केवल मनुष्य ही नहीं पालतू पशु पक्षि संरक्षण के कार्यक्रम भी प्रसारित होते हैं । किस मौसम में कौनसी फसल, फल सब्जी, उपज बढ़ाने के तरीके, यदि कीट पतंगों से फसलों के नुक्सान की आशंका हो तो किसानों को सलाह भी दी गई। छात्र, युवा, महिला, किसान आदि सभी वर्ग समूह केलिये कार्यक्रम और समय निर्धारित किए ।आज भले समाज जीवन में सोशल मीडिया व्यापक हो रहा है, रोज नए न्यूज चैनल सामने आ रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया की इस व्यापकता से आकाशवाणी का विषय जनचर्चा में तो कम हुआ है लेकिन उसकी विश्वसनीयता और गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं आया है। विश्व में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र होने की स्पर्धा में अग्रणी भारत के साठ प्रतिशत से अधिक लोगों के जीवन में आज भी आकाशवाणी ही उपयोगी है । सुदूर ठेट ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों और पर्वतीय अँचल में बसी बस्तियों में सूचना या समाचार ही नहीं मनोरंजन और स्थानीय समस्याओं के समाधान के उपाय जानने का माध्यम आकाशवाणी ही है। आकाशवाणी केवल मनोरंजन या सनसनी फैलाने वाले समाचारों से ₹टीआरपी₹ बढ़ाने की जुगत में नहीं रहती। वह भारत की संस्कृति और स्थानीय एवं क्षेत्रीय विशेषताओं से पूरे भारत को परिचित कराने की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । प्रधानमंत्री मोदी ने आकाशवाणी के इस महत्व को समझा। इसीलिए उन्होंने अपनी ₹मन की बात₹ के प्रसारण के लिये आकाशवाणी को माध्यम बनाया ।

प्रधानमंत्री मोदी भारत को संसार के विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में अग्रणी बनाने का संकल्प लेकर कार्य कर रहे हैं। उनका चिंतन व्यापक और बहुआयामी है । उनकी प्राथमिकताओं से यदि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारतीय यान पहुंचा है, आधुनिक आयुध निर्माण में आत्मनिर्भर होने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। संसार के आधुनिकीकरण की इस स्पर्धा के साथ संसंद सीढ़ियों को दंडवत, नए संसद भवन में संगोल की स्थापना साँस्कृतिक परंपराओं का सशक्तिकरण है । मोदी उन परंपराओं और विधाओं का संरक्षण भी कर रहे हैं जिनसे भारत की पहचान है । उनकी इन्ही प्राथमिकताओं में से एक आकाशवाणी भी है । अब देश के बीस राज्यों के 91 स्थानों पर 100 वाट की क्षमता के लो पॉवर एफएम ट्रांसमीटर स्थापित हो गए हैं। इससे आकाशावाणी के ट्रांसमीटरों के नेटवर्क की संख्या 524 से बढ़कर 615 हो गई है।

विषय कोई भी हो वह मनोरंजन का हो या शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, कृषि, युवा, महिला, लोक संस्कृति, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसी सामयिक विषय या घटनाओं का हो । इससे संबंधित संगोष्ठियों और अपने प्रसारण के अन्य स्वरूप में आकाशवाणी सदैव क्षेत्रीय भाषा और स्थानीय बोली का ही समावेश करती है । इससे स्थानीय एवं विषय से संबंधित जन मानस अपनी आत्मीयता अनुभव करता है । देश के सुदूर पर्वतीय और वन क्षेत्र की बस्तियों में केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा लिए गए निर्णयों की जन सामान्य तक जानकारी पहुंचाने का भी आकाशवाणी महत्वपूर्ण साधन है । इसको प्रधानमंत्री र मोदी की ह्लमन की बातह्व के प्रसारण से समझा जा सकता है । आकाशवाणी के माध्यम से ही प्रधानमंत्री की ₹मन की बात₹ जन जन तक पहुंची। परिणामस्वरूप इससे संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में कीर्तिमान बना । स्वतंत्रता के बाद जन कल्याण की अनेक योजनाएं बनीं। लेकिन क्रियान्वयन का जो कीर्तिमान मोदी के स्वच्छता अभियान, हर घर नल, हर घर शौचालय, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना आदि का बना वैसा इससे पहले किसी का नहीं। इसका कारण मोदीजी द्वारा ₹मन की बात₹ में बार बार इन योजनाओं को दोहराना है । आकाशवाणी ने केवल मन की बात के ₹सीधे₹ प्रसारण के बाद अपना कर्तव्य पूरा नहीं कर लिया । अपितु उनमें वर्णित योजनाओं एवं बिन्दुओं पर विशेषज्ञों के साथ विमर्श भी किया । यही कारण है कि इन योजनाओं का क्रियान्वयन उन क्षेत्रों में भी देखने को मिला जहां समाचारपत्र अथवा टेलीविजन की पहुंच नहीं है ।

रेडियो और आकाशवाणी का इतिहास

आकाशवाणी भारत में रेडियो के नाम का रूपांतरण है । विश्व में रेडियो का अविष्कार वैज्ञानिक गुग्लिल्मो मोरकोनी ने 1890 में किया था । 1893 में वैज्ञानिक निकोला टेस्ला ने सेंट लुइस में पहला वायरलेस रेडियो का अविष्कार किया । 1896 में गुग्लिल्मो माकोर्नी को वायरलेस रेडियो का पेटेंट मिला और 24 दिसंबर 1906 से विश्व में रेडियो का प्रसारण आरंभ हुआ । रेडियो प्रसारण का यह कार्य कैनेडा के वैज्ञानिक रेगिनाल्ड फेसेंडन ने रेडियो ब्रॉडकास्टिंग द्वारा संदेश भेजकर किया था। संसार में पहले रेडियो स्टेशन की स्थापना 1918 में न्यूयॉर्क के हैब्रिज में हुई थी । रेडियो पर विज्ञापन प्रसारण की शुरूआत 1923 में हुई थी । 13 जनवरी को ₹यूनाइटेड नेशन्स रेडियो₹ आरंभ हुआ इसीलिए 13 जनवरी को ₹विश्व रेडियो दिवस₹ मनाया जाता है । हर वर्ष की थीम अलग होती है ।

भारत में रेडियो 1924 में आया । इसकी शुरूआत मद्रास प्रेसीडेंसी क्लब ने की और क्लब ने अपने स्तर पर रेडियो का प्रसारण 1927 तक किया। समय के साथ रेडियो के प्रसारण से मुम्बई और कलकत्ता के कुछ व्यवसायी जुड़े और 1927 में मुम्बई एवं कलकत्ता में रेडियो प्रसारण आरंभ हुआ । 23 जुलाई 1927 को मुम्बई में भारत का पहला रेडियो स्टेशन आरंभ हुआ। वर्ष 1932 में अंग्रेज सरकार ने इसका प्रसारण अपने हाथ में ले लिया और संचालन के लिए अपने आधीन ₹इंडियन ब्रॉडकास्टिंग सर्विस₹ नामक विभाग गठित किया । 1936 में इसका नाम ₹ऑल इंडिया रेडियो₹ हुआ । आकाशवाणी का अंग्रेजी में यह नाम आज भी है । 1957 में इसका नाम ₹आकाशवाणी₹ हुआ । आकाशवाणी संस्कृत का शब्द है । भारतीय पुराणों के लगभग हर प्रसंग में शब्द आकाशवाणी मिलता है । रेडियो के लिए आकाशवाणी शब्द सबसे पहले उपयोग 1936 में हुआ था । यह कर्नाटक में एक निजी रेडियो स्टेशन की स्थापना का अवसर था । अपने समय के सुप्रसिद्ध साहित्यकार एमवी गोपालस्वामी ने रेडियो को आकाशवाणी कहा जो जन सामान्य के उच्चारण में आया और 1957 में अधिकृत नाम के रूप सामने आया । भारत में 1995 में इन्टरनेट रेडियो आरंभ हुआ ।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

हनुमान जी की पूजा के समय करें इस स्त्रोत का पाठ

हिंदू धर्म में हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित होता है। जैसे मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। हनुमान जी को प्रभु श्रीराम का अनन्य भक्त माना जाता है। मंगलवार के दिन जो भी जातक हनुमान जी के सच्चे मन और विधि-विधान से पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं मंगलवार का व्रत करने से जातक को हर कार्य में सफलता मिलती है और सभी कार्य बनने लगते हैं। वहीं ज्योतिष भी कार्य में सफलता पाने के लिए हनुमान जी की पूजा करने की सलाह देते हैं।

बता दें कि हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से कुंडली में अशुभ ग्रहों का प्रभाव भी खत्म हो जाता है। वहीं जातक के जीवन में भी मंगल का आगमन होता है। यदि आप आर्थिक तंगी और कष्टों से निजात पाना चाहते हैं, तो आपको मंगलवार के दिन स्नान आदि के बाद विधि-विधान से हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए औ? पूजा के दौरान ऋणमोचन स्त्रोत का पाठ करना चाहिए। इस स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को कर्ज से मुक्ति मिलती है और आर्थिक स्थिति ठीक हो जाती है।

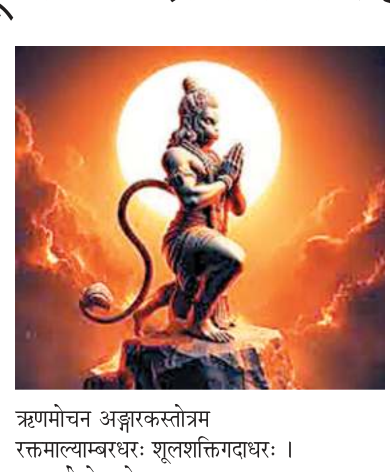

ऋणमोचन अङ्गारकस्तोत्रम
रक्तमाल्याम्बरधरः शूलशक्तिगदाधरः ।
चतुर्भुजो मेषगतो वरदश्च धरासुतः ॥
मङ्गलो भूमिपुत्रश्च ऋणहर्ता धनप्रदः ।
स्थिरासनो महाकायो सर्वकामफलप्रदः ॥
लोहितो लोहिताक्षश्च सामगानां कृपाकरः ।
धरात्मजः कुजो भौमो भूमिदो भूमिनन्दनः ॥
अङ्गारको यमश्चैव सर्वरोगापहारकः ।
सृष्टेः कर्ता च हर्ता च सर्वदेशैश्च पूजितः ॥
एतानि कुजनामानि नित्यं यः प्रयतः पठेत् ।
ऋणं न जायते तस्य श्रियं प्राप्नोत्यसंशयः ॥
अङ्गारक महीपुत्र भगवन् भक्तवत्सल ।
नमोऽस्तु ते ममाशेषं ऋणमाशु विनाशय ॥
रक्तगन्धैश्च पुष्पैश्च धूपदीपैर्गुडोदनैः ।
मङ्गलं पूजयित्वा तु मङ्गलाहनि सर्वदा ॥
एकविंशति नामानि पठित्वा तु तदन्तिके ।
ऋणरेखा प्रकर्तव्या अङ्गारेण तदग्रतः ॥
ताश्च प्रमार्जयेन्नित्यं वामपादेन संस्मरन् ।
एवं कृते न सन्देहः ऋणान्मुक्तः सुखी भवेत् ॥
महतीं श्रियमाप्नोति धनदेन समो भवेत् ।
भूमिं च लभते विद्वान् पुत्रानायुश्च विन्दति ॥

मूलमन्त्र:

अङ्गारक महीपुत्र भगवन् भक्तवत्सल ।
नमस्तेऽस्तु महाभाग ऋणमाशु विनाशय ॥
अर्घ्यम । भूमिपुत्र महातेजः स्वेदोद्भव पिनाकिनः ।
ऋणार्थस्त्वां प्रपन्नोऽस्मि गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते ॥

स्तोत्र के लाभ

इस स्त्रोत का रोजाना जाप करने से जातक पर हनुमान जी की विशेष कृपा होती है। वहीं हनुमान जी की कृपा से व्यक्ति को जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

टिप्स

क्या आप जानते हैं तुलसी के पौधे से जुड़े ये वास्तु टिप्स

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा बेहद पूजनीय होता है। मान्यता के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। घर से नकारात्मक एनर्जी दूर होती और जीवन में धन, सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। इसके साथ ही कार्तिक माह में घर में तुलसी का पौधा लगाना और उसकी पूजा करने शुभ फलदायी होता है। हालांकि, जब भी आप अपने घर में तुलसी का पौधा लगाते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरुरी है। आइए जानते हैं तुलसी से जुड़े वास्तु टिप्स।

तुलसी के पौधे से जुड़े वास्तु टिप्स

- वास्तु के मुताबिक, तुलसी का पौधा उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना अति शुभ माना गया है। इसके अलावा, दक्षिण दिशा में तुलसी का पौधा नहीं लगाएं। यह जीवन में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।
- तुलसी के पौधे के पास डस्टबिन, शूज और झाडू रखना नहीं चाहिए।
- आप चाहे तो तुलसी के पौधे को फूलों के पौधों के पास रख सकते हैं, लेकिन इसे कैक्टस के पास न रखें। वरना घर की नेगेटिविटी को बढ़ा देता है।
- घर में विषम संख्या में 1, 3 या 5 तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। वहीं, सम संख्या में 2, 4 या 6 तुलसी के पौधे नहीं लगाना चाहिए।
- तुलसी का पौधा सदैव ऊंचा स्थान पर रखें।
- तुलसी के सुखे पौधे को घर पर कभी भी न रखें। इसको आपको जल्द ही घर से हटा दें। इसके जगह नया पौधा लगा दें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

दस दिवसीय सूअर पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

साहिबगंज:भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 10 दिवसीय सूअर पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ पशुपालन के डॉक्टर विनोद कुमार,आरसेटी के वरिय प्रशिक्षक राजहंस कुमार एवं प्रशिक्षक उपेंद्र गोप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के मंडरो,पतना,बोरियों एवं तालझारी के कुल 30 प्रशिक्षुओ ने भाग लिया।यह कार्यक्रम 14 जनवरी तक जारी रहेगी।प्रशिक्षक राजहंस कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के किसानों को शुकर पालन के बारे में जानकारी देना तथा उनका स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाना है।मौके पर रंजीत कुमार,आकाश कुमार,सुरेंद्र मुर्मू,तौफीक आलम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज में गुरु गोविंद सिंह की जयंती समारोह का आरंभ

साहिबगंज:विद्या भारती विद्यालय,जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज में गुरु गोविंद सिंह की जयंती मनाई गई।जयंती समारोह का आरंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रामदेव राम एवं समस्त आचार्य बंधु भगिनी तथा कक्षा नायक ने गुरु गोविंद सिंह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।जयंती समारोह को संबोधित करते हुए आचार्य श्यामा प्रसाद ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे।उन्होंने बताया कि गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना1699 में बैसाखी के दिन किया जिसका उद्देश्य सिख धर्म को संगठित और मजबूत करना था।जयंती समारोह पर विचार रखते हुए रामदेव राम ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह ने अन्याय,अत्याचार और पापों को खत्म करने के लिए और धर्म की रक्षा के लिए मुगलों के साथ 14 युद्ध लड़े।धर्म की रक्षा के लिए समस्त परिवार का उन्होंने बलिदान किया।विश्व की बलिदानी परंपरा होने के साथ-साथ गुरु गोविंद सिंह एक महान लेखक,मौलिक चिंतक तथा संस्कृत सहित कई भाषाओं के ज्ञाता भी थे।कक्षा षष्ठ की बहन खुशबू कुमारी,भैया आरुष तिवारी,कक्षा सप्तम के भैया कुणाल कुमार,कक्षा अष्टम की बहन ऋषिका कुमारी एवं कक्षा नवम के भैया शिवांश राज एवं बहन नंदनी कुमारी ने भी जयंती समारोह को संबोधित किया।जयंती समारोह का संचालन आचार्य अमित कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन अर्चना वर्मा ने किया।शांति मंत्र का पाठ किरण गुप्ता ने किया।जयंती समारोह में विद्यालय के आचार्य राघव वत्स,अजय कुमार साह,कल्याण भंडारी,सुनील पंडित,निर्मला कुमारी,लिपिका राज सिंह,सारिका कुमारी,स्नेहा भारद्वाज,सोनी कुमारी,दिसिखा कुमारी,टीनू पांडे,क्रिस्टीना मुर्मू,ऐनी मुर्मू एवं विद्यालय के सभी भैया/बहन उपस्थित थे।

जिला परिवहन पदाधिकारी वाहन को किया जब्त

साहिबगंज/मंडरो: प्रखण्ड के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के चार नमंबर सड़क के समीप सोमवार को जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश चौधरी सड़कों पर चलने वाली वाहन जांच दौरान स्टोन चिप्स से लदा हाइवा को जब्त कर चार नमंबर स्थित पार्किंग एरिया में लगा दिया। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या बीआर 43 जीए 9703 जो चार नमंबर से स्टोन चिप्स लोड कर मिजाचौकी बाजार और नीकल रहा था समीप जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश चौधरी ने गाड़ी को रोककर चालक से आवश्यक कागजात की मांग किया परंतु चालक द्वारा आवश्यक कागजात नहीं दिखा पाया। जिस कारण गाड़ी को जब्त किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी पीएम कुजूर ने बताया कि कागजात के अभाव में चिप्स लदें हाइवा को जब्त किया गया है।जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि किसी भी समय उनके द्वारा वाहन जांच की जा सकती है और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी की जायेगी ताकि यातायात नियमों का पालन हो और आम लोगों पर भी इसका व्यापक असर हो सके ओवर हाइट और ओवर लोड लेकर चलने वाले वाहनों पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। रोड परमिट, इंश्योरेंस सहित अन्य कागजातो की जांच की जाएगी। मौके पर मिजाचौकी थाना पुलिस मौजूद थे।

सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा का सदस्य बन रहें हैं-अनुराग

साहिबगण:राजमहल विधानसभा के राजमहल ग्रामीण मंडल में भाजपा के सदस्यता अभियान की सह संयोजक अनुराग राहुल ने मडई हाट बाजार में चलाया।भाजपा सदस्यता अभियान में राजमहल ग्रामीण मंडल में सदस्यता अभियान के प्रवासी अनुराग राहुल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप राष्ट्र प्रथम की मूल भावना से ओत-प्रोत विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बन रहें हैं।यह अपने आप में एक गौरवान्वित महसूस करने वाली बात है।उन्होंने कहा कि टोल फ्री नंबर 8800002024 पर मिस्ड कॉल करवा कर भाजपा का सदस्य बन सकते है।मौके पर मौजूद राजमहल ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बिरेन शाह साहिबगंज ग्रामीण मंडल के महामंत्री राम प्रताप चौधरी,बुथ अध्यक्ष शक्तिकेंद्र के पदाधिकरी शामिल हुए।

धनबाद में 4 साइबर अपराधी गिरफ्तार, किराए के मकान से चला रहे थे ठगी का कारोबार

मेट्रो रेज

धनबाद: जिले के सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित तपोवन कॉलोनी में सोमवार को धनबाद पुलिस ने छापेमारी कर चार साइबर अपराधियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है. साइबर अपराधी किराए के मकान में साइबर ठगी का धंधा चला रहे थे। इस कार्रवाई से साइबर अपराधियों के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश हुआ है।

धनबाद के तपोवन कॉलोनी में छापेमारी : पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तपोवन कॉलोनी के एक किराए के मकान में साइबर अपराध को अंजाम दिया जा रहा है. इस सूचना के आधार पर पुलिस ने मोबाइल नंबरों को ट्रेस करना शुरू किया। लोकेशन का पता चलने पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

स्टूडेंट बताकर लिया था किराए पर मकान : गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी करीब एक महीने पहले ही इस मकान में रहने आए थे. आरोपियों ने खुद को स्टूडेंट बताकर मकान मालिक से किराए पर मकान लिया था। लेकिन असल में वहां से साइबर क्राइम का जाल बिछा रहे थे. पुलिस ने मकान के अंदर से कई सामान बरामद किए हैं, जिससे आरोपियों की गतिविधि पूरी तरह से उजागर हो गई है।

कमरे से ये सामान बरामद : छापेमारी के दौरान पुलिस ने कमरे से 23 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, कई बैंक खाते, इंटरनेट राउटर समेत साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाली अन्य कई सामग्री बरामद की है. इन सभी उपकरणों का इस्तेमाल साइबर ठगी के लिए किया जाता था। साथ ही पुलिस ने घर से एक बुलेट बाइक भी जब्त की है।

गिरफ्तार आरोपियों में ये हैं शामिल : गिरफ्तार किए गए अपराधियों में एक धनबाद का रहने वाला है, जबकि अन्य तीन बिहार के अलग-अलग जिले से हैं. गिरफ्तार साइबर अपराधियों में धनबाद के तेतुलमारी निवासी कृष्ण कुमार, बिहार के जुमई जिला निवासी पंकज यादव, बिहार के बांका जिला के कटोरिया थाना क्षेत्र का रहने वाला नीतीश कुमार और बिहार के बांका जिला का निवासी दीप नारायण यादव शामिल हैं।

तपोवन कॉलोनी के लोग हैरान

वहीं तपोवन कॉलोनी से साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद कॉलोनी के लोग हैरान हैं। लोगों का कहना है कि उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनके पड़ोस में इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियां हो रही हैं. स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की और कहा कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

पुलिस कर रही आरोपियों से पूछताछ : वहीं इस संबंध में सरायढेला और साइबर थाने की पुलिस ने बताया कि चार साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

वहीं धनबाद में एक साथ चार साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी से यह साफ हो गया है कि साइबर अपराधी अब बड़े शहरों में किराए के मकान का इस्तेमाल अवैध गतिविधि के लिए कर रहे हैं। पुलिस ने आम जनता से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को फौरन देने की अपील की है।

धनबाद में पांव पसार रहे हैं साइबर अपराधी : पुलिस की इस कार्रवाई के बाद यह बात स्पष्ट रूप से उजागर हुई है कि धनबाद में साइबर अपराध का खतरा बढ़ता जा रहा है. हालांकि, पुलिस की त्वरित कार्रवाई और अपराधियों की गिरफ्तारी ने लोगों को राहत दी है। अब देखना यह है कि इस मामले में आगे क्या खुलासे होते हैं।

चौक चौराहे पर चालकों व कंडक्टरों के बीच जागरूकता

साहिबगंज: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के छठे दिन के तहत जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में साहिबगंज ज़िले के सभी बस स्टैंड,रेलवे स्टेशन, टैम्पो टोटो स्टैंड, चौक चौराहे पर चालकों, बस ड्राइवर, कंडक्टरों के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।साहिबगंज जिले के सभी बस स्टैंड,रेलवे स्टेशन, टैम्पो टोटो स्टैंड, चौक चौराहे पर चालकों, बस ड्राइवर, कंडक्टरों के बीच जागरूकता कार्यक्रम किया गया जिसका उद्वेश्य सभी वाहन चालकों के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर संवेदनशीलता व जागरूकता फैलाना है एवं सड़क पर हो रहे सड़क दुर्घटनाओं को कम करना तथा सड़क दुर्घटना में हो रहे मृत्यु दर में कमी लाना है। साथ ही सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ के माध्यम से ऑडियो क्लिप एवं पम्पलेट, बुकलेट, हैंडबिल वितरण कर आम जनमानस को जागरूक किया गया।सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ जिले भर में घूम-घूम कर यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य कराया जा रहा है। जिससे लोगों में यातायात नियमों के प्रति जानकारी का अभाव न रहे एवं सभी वाहन चालक अपने वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। इसी उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा कोषांग के जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर एवं आईटी सहायक राजहंस ने चालको एवं आमजनों से अपील किया कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का आवश्यक रूप से पालन करें।सभी चालक मोटरसाइकिल चलते समय हेलमेट आवश्य पहने साथ ही चार पहिया या उससे अधिक के वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस का वहां का परिचालन ना करें समेत अन्य सभी यातायात नियमों का पालन करने का अनुरोध किया गया।

कीटनाशी विक्रेताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

साहिबगंज:आत्मा सभागार के संयुक्त जिला कृषि भवन परिसर में फसल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत कीटनाशी विक्रेताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गयाक उक्त कार्यक्रम में सभी कीटनाशक विक्राताओं को कीटनाशक के प्रकार, प्रयोग तथा उनके एमओडीइ ओएफ एसीटीआई ओएन प्रमुख फसल यथा धान, गेहूं, मक्का, चना, मटर आदि में लगने वाले कीट व्याधि के प्रमुख लक्षण एवं उनके प्रबंधन के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया कजिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का के द्वारा समेकित कीट-व्याधि प्रबंधन पर विस्तृत प्रकाश प्रकाश डाला कजिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन द्वारा फल एवं सब्जी में लगने वाली कीट व्याधि प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया क उपस्थित सभी विक्रेताओं को असली एवं नकली खाद में भी अंतर बताया गया।एसपीयुआरआईओयुएस खाद तथा दवा के प्रयोग एवं बिक्री नहीं करने का सख्त निर्देश दिया गया कमौके पर उप परियोजना निदेशक आत्मा मन्टू कुमार, कंचन कुमार सुमन, बी० टी० एम० एवं अजय कुमार पुरी, जिला परामर्शी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एवं कीटनाशक विक्रेता मौजूद थे ।

बरहरवा प्रेस क्लब का नववर्ष मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज/पतना: प्रखंड अंतर्गत बिंदु धाम मंदिर की तलहटी पर बरहरवा प्रेस क्लब द्वारा नव वर्ष मिलन समारोह व वनभोज कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम के साथ आयोजित किया गया।कार्यक्रम में बरहरवा प्रेस क्लब के पत्रकार गण सहित अंचल प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के लोग भी शामिल हुए एवं एक दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।वही प्रेस क्लब की ओर से बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल बरहरवा प्रभाग के पुलिस निरीक्षक सुधीर कुमार पोद्दार एवं बरहरवा अंचलाधिकारी को बुके गुलदस्ता डायरी एवं कलम देकर सम्मानित किया गया।तत्पश्चात सभी ने मिलकर संयुक्त रूप से वन भोज का आनंद लिया ज्ञात हो कि बरहरवा प्रेस क्लब द्वारा प्रत्येक वर्ष नव वर्ष के शुभ अवसर पर मिलन समारोह एवं वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है इसके अनुरूप इस वर्ष भी उक्त कार्यक्रम का आयोजन बरहरवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद व प्रेस क्लब के सदस्यगणों की अगुवाई में धूमधाम से आयोजित किया गया।सभी ने एक दूसरे को बधाई देते हुए एक दूसरे के लिए नववर्ष हेतु मंगल कामना की।वहीं कार्यक्रम में स्थानीय राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधि गण व व्यवसायी गण भी शामिल हुए।इस दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष दीपक आनंद ने कहा कि नए साल के इस मौके पर हम सभी एक दूसरे के स्वस्थ्य जीवन और प्रगति की कामना करते है।पत्रकार देश के चौथे स्तम्भ है पत्रकार समुदाय देश और समाज के प्रगतिशीलता और मौलिकता में अहम भूमिका निभाता है,और आगे भी पत्रकार अपना धर्म समझकर इस समाज के सुरक्षा और सामाजिक सम्प्रभुता में अपना योगदान देते रहेंगे।मौके पर दीपक आनंद,वरिष्ठ पत्रकार रामनाथ विद्रोही,सन्नी भगत,देवोजित कुशवाहा,दीपक देशमुख,भास्कर यादव,गोपाल शर्मा,सम्भु कुमार,अमन राय,राहुल कुशवाहा,भक्ति पाण्डे,मुसर्रफ,मकसूद मल्लिक,नासिर शेख,बैदुल आलम,प्रवेज आलम,मुख्तार आलम,सिराज शेख,स्माइल शेख, सहित अन्य पत्रकार बंधु शामिल रहे।

स्वस्थ जीवन शैली ही सच्ची संपदाः प्राचार्य

साहिबगंज:स्थानीय सिद्धो कान्हु स्टेडियम रोड स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में प्राचार्य सह प्रसिद्ध शिक्षाविद डा आर के सिंह की अध्यक्षता में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें लगभग 380 छात्र छात्राओं का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया साथ ही संबंधित बिमारियों के ईलाज हेतु दवाईयां भी उपलब्ध करायी गयी।इस मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का विधिवत उद्घाटन करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डा आर के सिंह ने कहा कि पीएम श्री योजना के अन्तर्गत सभी छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराना है तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने हेतु निरंतर परामर्श देते रहना है।क्योंकि स्वस्थ जीवन शैली ही सच्ची संपदा है।इस मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में सदर अस्पताल के डा अमित,डा पिताम्बर साह,इसरार अहमद सीएचओ,ए एन एम खुशबू कुमारी,रीता कुमारी,प्रिती कुमारी,राशिद अहमद,मकसूद आलम मुनि जी पाण्डेय आदि ने बच्चों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया।

करम पहाड़ में जल्द से जल्द आंगनबाड़ी केंद्र भवन का निर्माण कराया जाएगा : उपायुक्त

साहिबगंज:उपायुक्त द्वारा निरीक्षण के क्रम में करमपहाड़ के ग्रामीणों से वार्ता कर सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभ के विषय में जानकारी ली, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा आवास योजना से बनाए जा रहे भवन का निरीक्षण किया।वहीं निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि करमपहाड़ में कोई भी आंगनबाड़ी भवन नहीं है।आंगनबाड़ी सेविका के द्वारा बताया गया कि वह अपने निजी आवास में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित कर रही है, जहां उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी से आंगनबाड़ी की जानकारी ली एवं निर्देशित करते हुए जल्द ही करमपहाड़ में आंगनबाड़ी का निर्माण एनआरईपी के द्वारा कराने को कहा साथ ही ओपेन जीम लगाने को कहा गया ।वहीं उपायुक्त ने आंगनबाड़ी के बच्चों को वितरण कि जा रही गर्म कपड़े की जानकारी ली साथ ही मध्य विद्यालय करम पहाड़ का जायजा लिया ।बता दे कि करमपहाड़ में कुल 32 परिवार रहते हैं जिन्हें उपायुक्त ने बेहतर रोजगार सृजन हेतु मशरूम उत्पादन, बंबू क्राफ्ट से जोड़ने एवं सृजन हेतु ट्रेनिंग देने को निर्देशित किया ।उपायुक्त ने बढ़ते ठंड को देखते हुए करमपहाड़ के ग्रामीणो के बीच कंबल का वितरण किया।

कंबाइंड इलेवन-2 ने 61 रनों से जीत दर्ज की

सीनियर जिला क्रिकेट लीग कम नॉक आउट टूर्नामेंट

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूनार्मेंट में सोमवार को कंबाइंड इलेवन 2 बनाम यंग स्टार सीसी, राजमहल के बीच मैच खेला गया। कंबाइंड इलेवन-2 ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 31.4 ओवर में 182 रन बना कर ऑल आउट हो गई। आकाश दूबे ने 51, केशव ने 48, गौरव ने 24, अविनाश ने 12 रनों की पारी खेली। यंग स्टार सीसी राजमहल के गेंदबाज अनिकुल ने 3, आसिफ अली ने 2, हलीम, मानिस, मुशर्रफ ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी यंग स्टार सीसी की टीम 18.2 ओवर में 121 रन बना कर ऑल आउट हो गई। मानिस ने 63, मिंटू शेख ने 20 रनों की पारी खेली। कंबाइंड इलेवन-2 के गेंदबाज केशव कुमार ने 5, आकाश दुबे ने 3 व आदित्य यादव ने 2 विकेट लिए। कंबाइंड इलेवन 2 ने 61 रनों से जीत दर्ज की। कंबाइंड इलेवन 2 के खिलाड़ी केशव कुमार को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि सुरेश प्रसाद साह ने केशव को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग सुधीर राणा व ओंकार एवं स्कोरिंग केएस सौरभ ने किया। मौके पर जेएससीए डिस्ट्रिक्ट सब कमिटी चेयरमैन चंदेश्वर प्रसाद उर्फ बोदी सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, चंदन कुमार, आदित्य, सतीश सिन्हा, गोपाल सिंह, सागर सुमन, मो जुनैद व अन्य मौजूद थे। टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम ने बताया कि मंगलवार को सीएबी रेड, बरहरवा बनाम माही स्पोर्ट्स ब्ल्यू के बीच मैच खेला जाएगा।

अजय देवगन की 'आजाद' का ट्रेलर रिलीज

अजय देवगन का भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी आने वाली फिल्म 'आजाद' को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही 'आजाद' को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसी तरह बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित 'आजाद' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है।

'आजाद' का ट्रेलर एक कुशल घुड़सवार की कहानी बताता है। इस घुड़सवार की भूमिका अजय देवगन ने निभाई है। अजय देवगन ने खुद को क्रूर ब्रिटिश सेना के चंगुल से मुक्त कराया। इस ट्रेलर में ट्विस्ट तब आता है जब एक घोड़ा गायब हो जाता है। यह घोड़ा अमन से मिलता है। अमन उस घोड़े की देखभाल करता है। वहीं दूसरी ओर अजय देवगन अपने लापता घोड़े को ढूंढने के लिए जिंदगी की जंग लड़ते नजर आ रहे हैं। तो आगे क्या होगा? इसकी कहानी 'आजाद' में देखी जा सकती है। ट्रेलर में रवीना टंडन की बेटी राशा की एक्टिंग की भी झलक नजर आ रही है।

2024 में 'सिंघम अगेन', 'शैतान' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद नए साल में अजय देवगन

की यह पहली फिल्म है। इस फिल्म में अजय के भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी हैं बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रही हैं। इसके अलावा फिल्म में डायना पेंटी, पीयूष मिश्रा जैसे कलाकारों की भी खास भूमिका है। यह फिल्म 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर हर कोई उत्सुक है।

'इमरजेंसी' का दूसरा ट्रेलर रिलीज

सिनेमाघरों में 17 जनवरी को देगी दस्तक

कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' का दूसरा ट्रेलर 2 भी रिलीज हो गया है। यह फिल्म कई कारणों से खास है। पहला, इसका निर्देशन और लेखन खुद कंगना ने किया है, जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दशार्ता है। दूसरा, फिल्म का ऐतिहासिक संदर्भ, जिसमें 1975-77 के आपातकाल के दौर को दिखाया गया है। 'इमरजेंसी' का ट्रेलर सचमुच दिलचस्प और भावनात्मक है, जो उस दौर की अराजकता और संघर्ष को जीवंत रूप से दिखाता है। 25 जून, 1975 को आपातकाल की घोषणा के बाद देश के हालात और जनता का गुस्सा, सड़कों पर विरोध प्रदर्शन और सत्ता के दमनकारी रवैये को ट्रेलर में बखूबी पेश किया गया है। अनुपम खेर की जेल में बंद झलक दर्शकों को और अधिक उत्सुक बनाती है, क्योंकि उनकी भूमिका फिल्म में काफी महत्वपूर्ण लग रही है। इसके अलावा कंगना ने इंदिरा गांधी के किरदार में जिस तरह से डूबकर परफॉर्म किया है, वह तारीफ के काबिल है। उनका बोलने का अंदाज, चेहरा और आत्मविश्वास दर्शकों को प्रभावित कर रहा है। इस ट्रेलर ने फिल्म के प्रति दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ा दी है।

फिल्म 'इमरजेंसी' में अभिनेत्री कंगना के अलावा और भी बेहतरीन कलाकार नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, विशाक नायर और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी नजर आएंगे। फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज का सफर काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। फिल्म को कई विवादों का सामना करना पड़ा। सेंसर बोर्ड सर्टिफिकेट पर रोक लगाए जाने से लेकर कोर्ट तक काफी मुस्किलो का सामना करना पड़ा। आखिरकार अब यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

गदर-3 पर अमीषा पटेल के बयान ने फैंस की बढ़ाई एक्साइटमेंट

बॉलीवुड अभिनेता सनी देयोल और अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर- एक प्रेम कथा' 2001 में रिलीज हुई थी। 22 साल बाद 'गदर' का सीक्वल सिनेमाघरों में रिलीज हुआ। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। 22 साल बाद भी सनी देयोल की वही दीवानगी देखने को मिली। अब फिल्म के तीसरे पार्ट की चर्चा शुरू हो गई है। इसके बारे में अभिनेत्री अमीषा पटेल उन्होंने एक अपडेट दिया है।

'गदर- एक प्रेम कथा' और 'गदर 2' में अमीषा पटेल ने सकीना का किरदार निभाया है। उनके किरदार को दर्शकों का खूब प्यार मिला। अब हाल ही में एक्ट्रेस अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दीं। अमीषा एक समारोह में शामिल हुईं। उस वक्त अमीषा पटेल से पूछा गया कि क्या वह 'गदर 3' में नजर आएंगी तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ₹बिल्कुल तारा और सकीना के बिना गदर अधूरा है।₹ उनके इस बयान ने फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। यह एक पीरियड एक्शन ड्रामा होने वाली है। लेखक फिलहाल तीसरे पार्ट की कहानी पर काम कर रहे हैं।' गदर 3 में भी वही कलाकार होंगे।

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड जीतने से चूकी 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट'

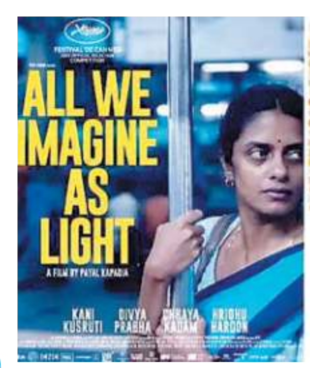

मनोरंजन जगत की दुनिया के दूसरे सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2025 में भारतीय फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का नामांकन वास्तव में भारत के लिए गर्व का क्षण था। पायल कपाड़िया की इस फिल्म ने 2024 में पहले ही अपनी पहचान बना ली थी और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा मिली। हालांकि, खिताब हासिल न कर पाना थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन यह भी सच है कि केवल नामांकन मिलना ही वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा की बढ़ती साख को दशार्ता है। इस फिल्म को जिन दो श्रेणियों में नामांकन मिला था, वे भारतीय सिनेमा के लिए एक और मील का पत्थर साबित हुई हैं।

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2025 में दो बड़े नामांकन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। खासकर गैर-अंग्रेजी भाषा की श्रेणी में बेस्ट मोशन पिक्चर के लिए नामांकित होना भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का क्षण है। हालांकि, 'एमिलिया पेरेज' जैसी फिल्म ने बाजी मार ली, लेकिन यह तथ्य कि 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' जैसी भारतीय फिल्म को इस श्रेणी में मान्यता मिली, अपने आप में एक बड़ी जीत है। पायल कपाड़िया का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक श्रेणी में नामांकन पाना भी ऐतिहासिक है। वह इस श्रेणी में जगह बनाने वाली पहली भारतीय निर्देशक बन गईं। यह केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय सिनेमा के लिए भी एक नई दिशा का संकेत है।

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का 2024 कान्स फिल्म फेस्टिवल में मुख्य प्रतियोगिता में प्रीमियर होना और इसे दर्शकों से 8 मिनट लंबा स्टैंडिंग ओवेशन मिलना, इस बात का प्रमाण है कि यह फिल्म कितनी प्रभावशाली और दिल को छू लेने वाली है।

'एमिलिया पेरेज' ने जीता अवॉर्ड

'एमिलिया पेरेज' जैसी फिल्म का गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड जीतना कोई आश्चर्य की बात नहीं है, खासकर जब इसमें जैक्स ऑडियार्ड जैसे प्रतिभाशाली निर्देशक और जो सल्डाना, कार्ला सोफिया, और सेलेना गोमेज जैसे कलाकार शामिल हैं। म्यूजिकल क्राइम कॉमेडी के अनोखे संयोजन ने इसे दर्शकों और आलोचकों दोनों का पसंदीदा बना दिया। फिल्म को ऑस्कर 2025 में भी भेजा गया है। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो और नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होने के कारण दर्शक आसानी से इस फिल्म का आनंद उठा सकते हैं।

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स को मनोरंजन जगत में उत्कृष्टता का प्रतीक माना जाता है। यह पुरस्कार हर साल फिल्म और टेलीविजन के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, निर्देशकों, निमार्ताओं और लेखकों को दिया जाता है। ऑस्कर मुख्य रूप से सिनेमा पर केंद्रित होता है, जबकि गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स फिल्म और टेलीविजन को समान महत्व देता है। यह पुरस्कार 'हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन' द्वारा आयोजित किया जाता है।

इंडोनेशिया फुटबॉल संघ ने शिन ताए-योंग को राष्ट्रीय टीम के कोच पद से हटाया

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशियाई फुटबॉल एसोसिएशन (पीएसएसआई) ने सोमवार को राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में शिन ताए-योंग का अनुबंध आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया। पीएसएसआई के अध्यक्ष एरिक थोहिर ने कहा कि एसोसिएशन को एक ऐसे कोच की जरूरत है जो सभी खिलाड़ियों द्वारा सहमत एक एकीकृत रणनीति को लागू कर सके और अधिक प्रभावी संचार को बढ़ावा दे सके। उन्होंने कहा, 'आज हम जो कर रहे हैं वह राष्ट्रीय टीम की भलाई के लिए है।' थोहिर ने बताया कि शिन को बर्खास्त करने का फैसला कई कारकों को ध्यान में रखते हुए लंबे समय तक मूल्यांकन के बाद लिया गया।

दिसंबर 2019 में पीएसएसआई के साथ अपना कार्यकाल शुरू करने वाले शिन ने इंडोनेशिया की विश्व रैंकिंग को 173वें से 127वें स्थान पर पहुँचाने में मदद की।

2026 फीफा विश्व कप एशियाई क्वालीफायर में, इंडोनेशिया वर्तमान में छह टीमों के समूह में छह मैचों में छह अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। 12 जनवरी को आधिकारिक तौर पर नए कोच की घोषणा की जाएगी।

कोपा डेल रे के अंतिम-16 में पहुंचा रियल मैड्रिड

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने सोमवार को चौथे स्तर की टीम डेपोर्टिवा मिनेरा को 5-0 से हराकर कोपा डेल रे के अंतिम 16 में प्रवेश किया। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के लिए अपनी लाइनअप में कई बदलाव किए, लेकिन उनकी टीम को एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी का सामना करने में कोई परेशानी नहीं हुई, जिसने पूरे खेल में सिर्फ. एक शॉट ही टारगेट पर लगाया, जबकि मैड्रिड के 21 शॉट टारगेट पर लगे। फेडरिको वाल्वरडे ने पांचवें मिनट में खराब डिफेंसिव क्लीयरेंस का फायदा उठाते हुए गोल दागा। एडुआर्डो कैमाविंगा ने 13वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी, जब फ्रैन गार्सिया ने दो डिफेंडरों को चकमा देकर सटीक क्रॉस दिया, और अर्दा गुलर ने 28वें मिनट में एक लंबी दूरी के प्रयास से तीसरा गोल किया। हाफटाइम तक 3-0 से आगे चल रहे रियल मैड्रिड ने मिनेरा पर दबाव बनाए रखा। ब्रेक के 10 मिनट बाद लुका मोड्रिक ने ब्राहिम डियाज के पास को पूरा करते हुए चौथा गोल किया और गुलर ने मैच का अपना दूसरा और टीम का पांचवां गोल कर रियल मैड्रिड को जीत दिलाई। रियल मैड्रिड अब गुरुवार को स्पेनिश सुपर कप सेमीफाइनल में मल्लोर्का का सामना करने के लिए सऊदी अरब की यात्रा करेगा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद ब्रेक लेंगे राहुल विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट में नहीं खेलेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। बल्लेबाज के.एल. राहुल वडोदरा में होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट दौर में कर्नाटक की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले राहुल ब्रेक लेंगे। 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण के लिए राहुल की उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, जो दोनों ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट टीम में थे, वडोदरा में कर्नाटक के लिए खेलेंगे। पडिक्कल ने पर्थ में पहला टेस्ट खेला था, जबकि प्रसिद्ध को पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए बुलाया गया। तेज गेंदबाज वी. वैशाख चोट के कारण नॉकआउट दौर से बाहर हो गए हैं। विजय हजारे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक का सामना शनिवार को वडोदरा से होगा।

कर्नाटक की टीम इस प्रकार है: मयंक अग्रवाल (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, निकिन जोस, के.वी. अनीश, आर. स्मरण, के.एल. श्रीजीत, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल (उप कप्तान), हार्दिक राज, प्रसिद्ध कृष्णा, वी. कौशिक, विद्याधर पाटिल, अभिलाष शेट्टी, प्रवीण दुबे, लवनिथ सिसौदिया, यशोवर्धन परंतप।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण जहांआरा ने क्रिकेट से लिया ब्रेक

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अग्रणी महिला तेज गेंदबाज जहांआरा आलम ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण अनिश्चित काल के लिए क्रिकेट से ब्रेक ले लिया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) महिला विंग के प्रभारी हबीबुल बशर ने सोमवार को क्रिकबज से कहा, उसने हमें एक पत्र दिया था जिसमें कहा गया था कि वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है और उसने दो महीने के लिए क्रिकेट से ब्रेक लिया है। उसने यहां तक ??कहा कि यदि आवश्यक हो, तो उसे अनुबंध में नहीं रखा जाना चाहिए। हमें इसका सम्मान करने की आवश्यकता है क्योंकि अगर किसी को लगता है कि वह मानसिक रूप से तैयार नहीं है और कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेना चाहती है, तो हमें इसे स्वीकार करना होगा। कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं है जिसके लिए वह बाहर रहेगी। जब भी वह ठीक महसूस करेगी, वह हमें बताएगी।

जहांआरा ने अपने करियर में

अब तक 52 वनडे और 83 टी20 मैच खेले हैं। जुलाई 2024 में एक साल की अनुपस्थिति के बाद वह टीम में लौटीं और उन्हें टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया, लेकिन वह किसी भी मैच में शामिल नहीं हुईं। वह आयरलैंड के खिलाफ बांग्लादेश की आखिरी घरेलू श्रृंखला का हिस्सा थीं, जहाँ उन्होंने केवल टी20 मैच खेले थे और वनडे के दौरान उन्हें बेंच पर बैठाया गया था।

इस बीच, बीसीबी ने आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए महिला टीम की घोषणा की। यह बांग्लादेश की महिला टीम का वेस्टइंडीज का पहला दौरा होगा, जहाँ वे तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेंगी, जो सभी सेंट किट्स के बैसेटेरे के वार्नर पार्क में खेले जाएँगे।

निगार सुल्ताना की अगुवाई वाली टीम 14 जनवरी को सेंट किट्स पहुँचेगी।

वनडे मैच क्रमशः 19, 21 और 24 जनवरी को होने हैं।

यह सीरीज खास महत्व रखती है क्योंकि दोनों टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन के लिए महत्वपूर्ण आईसीसी महिला चैम्पियनशिप अंक हासिल करना चाहती हैं। बांग्लादेश को अपनी जगह पक्की करने के लिए यह सीरीज जीतनी होगी।

वनडे सीरीज के बाद, टीमें क्रमशः 27, 29 और 31 जनवरी को तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी।

लता मोंडल, फरिहा इस्लाम की वनडे टीम में वापसी हुई है, जबकि जहांआरा आलम और रितु मोनी अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाईं। मारुफा अख्तर, सुल्ताना खातून, लता मोंडल, फरजाना होक की टी20 टीम में वापसी हुई है, जबकि रितु मोनी, जहांआरा आलम, जन्नतुल फिरदौस को बाहर रखा गया है। उप-कप्तान नाहिदा अख्तर ने कहा कि वे हाल ही में वेस्टइंडीज के सफल दौरे के बाद पुरुष टीम से प्रेरणा लेंगी।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए बांग्लादेश की टीमः निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उप कप्तान), मुर्शिदा खातून, दिलारा अख्तर, शर्मिन अख्तर सुप्ता, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, लता मोंडोल, राबेया, फाहिमा खातून, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, फरजाना हक, ताज नेहर, शांजिदा अख्तर मघला, मारुफा अख्तर।

नेपाल में भूकंप के बाद चीनी क्षेत्र से माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर रोक लगाई गई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-चीन सीमा पर मंगलवार को शिगात्से क्षेत्र में आए शक्तिशाली भूकंप के झटके के बाद दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चीनी क्षेत्र से चढ़ाई पर चीन प्रशासन की तरफ से रोक लगा दी गई है। माउंट एवरेस्ट को चीन में माउंट कोमोलांगमा के नाम से जाना जाता है। चीन की सरकारी मीडिया समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक मंगलवार सुबह ज़िजांग (तिब्बत) स्वायत्त क्षेत्र में डिंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता के भूकंप के बाद पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए माउंट एवरेस्ट पर चीनी क्षेत्र से चढ़ाई पर अगली सूचना तक रोक लगाने का आदेश दिया गया है। तिब्बत के डिंगरी काउंटी में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए चीन की तरफ से आधार शिविर है। चीन की सरकारी मीडिया ने क्षेत्रीय आपदा राहत मुख्यालय के हवाले से अब तक 53 लोगों के मारे जाने और 62 घायल होने की पुष्टि की है।

चीन-नेपाल सीमा पर स्थित माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8,840 मीटर है और इसका उत्तरी खंड तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र के डिंगरी काउंटी में स्थित है। आज सुबह जब भूकंप का तेज झटका आया तो उस समय इस क्षेत्र के मौसम का तापमान शून्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक था। डिंगरी काउंटी ब्यूरो ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म विभाग के अनुसार इस समय इस आधार शिविर में मुख्य रूप से सिंगापुर, मलेशिया, जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों के पर्यटक मौजूद हैं और सभी के सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है।

उत्तर बंगाल के कई जिलों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

दार्जिलिंग : मंगलवार सुबह छह बजकर पैंतीस मिनट पर उत्तर बंगाल के कई जिलों में रिक्टर पैमाने पर 7.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। मंगलवार सुबह दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार के लोग भूकंप के झटकों से जाग उठे। कई लोग डर के मारे घर से बाहर निकल गए। इतना ही नहीं, उत्तर बंगाल घूमने के दौरान भूकंप का अहसास होने पर पर्यटक भी दहशत में आ गए। हालांकि भूकंप के ये झटके बहुत जोरदार नहीं थे। भूकंप का केंद्र नेपाल में गोकर्णेश्वर के पास बताया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक इस भूकंप में जान माल के नुकसान की खबर नहीं थी।

नोएडा में गारमेंट्स की दुकान में आग लगने से महिला की मौत

एजेंसी

नोएडा । थाना सेक्टर 63 क्षेत्रान्तर्गत ग्राम छिजारसी मेन रोड पर बनी के एस क्लॉथ हाउस एंड रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान के प्रथम तल पर आग लगने से एक दम्पत्ति फंस गए गए। जिसमे पति तो किसी तरह निकल गया लेकिन पत्नी की दम घुटने से मौत गयी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि छिजारसी मेन रोड पर के.एस क्लॉथ हाउस एंड रेडीमेड गारमेंट्स के नाम से थोक व होलसेल की दुकान है। इनके बच्चे गांव में रहते हैं। सेक्टर 63 क्षेत्रान्तर्गत ग्राम छिजारसी मेन रोड पर बनी के.एस क्लॉथ हाउस एंड रेडीमेड गारमेंट्स दुकान में दम्पति सो रहे थे। प्रथम तल पर दुकान में तड़के साढ़े तीन बजे आग लग गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग ने एकदम भीषण रूप धारण कर लिए और दुकान में धुंआ ही धुंआ भर गया। घटना की सूचना लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर फायर सर्विस यूनिट की चार गाड़ियों ने घटनास्थल पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जो गंभीर रूप से झुलस गए। मृतक महिला का नाम विनीता (35) है। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भर कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है।

पूर्व विधायक प्रोफेसर जीवन मुखोपाध्याय के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

कोलकाता । सोनारपुर के पूर्व विधायक और अध्यापक जीवन मुखोपाध्याय के निधन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें अपना ₹सहयोद्धा₹ बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। ममता बनर्जी ने मंगलवार को ट्वीट करते हुए कहा, ₹सोनारपुर के पूर्व विधायक और मेरे सहयोद्धा जीवन मुखोपाध्याय के अचानक निधन से दुखी हूं। वह एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर और पाठ्यपुस्तकों के लेखक थे। साथ ही, वह एक लोकप्रिय व्यक्ति और दृढ़ निश्चयी समाजसेवी भी थे। मुख्यमंत्री ने उनके परिवार, दोस्तों और अनुयायियों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। जीवन मुखोपाध्याय न केवल राजनीति के क्षेत्र में बल्कि शिक्षा और समाज सेवा में भी सक्रिय थे। वह अपने समय के एक जाने-माने शिक्षाविद् और छात्रों के प्रिय लेखक माने जाते थे।

शीतलहर से ठिठुरा छत्तीसगढ़ का सरगुजा संभाग

अगले दो दिनों तक पड़ेगी कड़ाके की ठंड

एजेंसी

रायपुर । मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों तक ठंड और बढ़ने की बात कही है। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक जनवरी की शुरूआत ठंड के उतार-चढ़ाव के साथ हुई, जो अभी भी समय-समय पर आने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार से फिर से मौसम बदलेगा। बुधवार से उत्तर से ठंडी हवाओं के आने का सिलसिला शुरू होगा। जिसके बाद दिन और रात के तापमान में कमी आएगी। सोमवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान दुर्ग में 30.6 डिग्री रहा। वहीं सबसे ठंडा अंबिकापुर रहा, जहां 7.1 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा ठंड सरगुजा संभाग में है। अंबिकापुर, सरगुजा, बलरामपुर समेत राज्य के कई जिलों में सुबह और शाम के वक्त सर्द हवाओं के कारण लोग परेशान हैं । पूरे संभाग में शीतलहर का प्रकोप है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में शीतलहर लहर चल रही है। सुबह से घना कोहरा छाया हुआ है। विजिबिलिटी बेहद कम है। प्रदेश में अगले दो दिनों के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी, जिससे ठंडी और बढेगी। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ को अब उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है, जो मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल स्तर पर एक द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। यह अक्षांश 25ठ के उत्तर तथा देशांतर 71ए पर समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर स्थित है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक, प्रदेश में अगले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। सरगुजा संभाग के एक-दो पैकेट में मध्यम कोहरा छाया रहेगा।

असम: उमरांग्सू खदान बचाव कार्य में नौसेना के गोताखोर तैनात

पानी का स्तर 100 फीट तक पहुंचने के कारण नौसेना की तैनाती

एजेंसी

डिमा हसाओ। असम के डिमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे खनन श्रमिकों को बचाने के लिए भारतीय सेना और नौसेना ने प्रयास तेज कर दिए हैं। बढ़ते जलस्तर, जो अब 100 फीट के करीब पहुंच गया है, उसने असम-मेघालय सीमा के पास सुदूर 3 किलो क्षेत्र में चल रहे बचाव कार्यों के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। माना जा रहा है कि खदान के अंदर करीब 15 से 20 श्रमिक फंसे हुए हैं, जो भारी बाढ़ के बाद जलमग्न हो गई है। सेना के इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) के नेतृत्व में जारी बचाव अभियान खदान के सुदूर स्थान और कठिन भूभाग के कारण बाधित हुआ है। सहायता के लिए विशाखापत्तनम से नौसेना के गहरे गोताखोरों को बुलाया गया है। पानी के भीतर उन्नत बचाव उपकरणों से लैस, गोताखोरों के जल्द ही मिशन में शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय सेना ने बाढ़ग्रस्त खदान के अंदर खतरनाक परिस्थितियों से निपटने के लिए 32 असम राइफल्स पाथफाइंडर यूनिट और पैरा गोताखोरों सहित विशेष टीमों को भी तैनात किया है। वास्तविक समय का आकलन और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए वरिष्ठ सेना अधिकारियों द्वारा हवाई सर्वेक्षण किया गया है। गोताखोरों, सैपर्स और तकनीकी विशेषज्ञों से बनी संयुक्त बचाव टीम फंसे हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग कर रही है। चुनौतियों के बावजूद, सेना और नौसेना बचाव अभियान के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे मिशन के आगे बढ़ने पर सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। ज्ञात हो कि सोमवार सुबह उमरांग्सू से 25 किमी दूर असम-मेघालय के 3 किलो इलाके में स्थित 300 फुट गहरी कोयले की खदान में काम कर रहे श्रमिक उस समय फंस गये, जब अचानक खदान में पानी भर गया। खदान में अंदर फंसे श्रमिकों के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है।

अब बंगाल के सुदूरवर्ती सुंदरबन के गांव में बाघ का आतंक

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के गोरी इलाके में बाघ के घुसने से लोगों में डर का माहौल है। सुंदरबन के पास स्थित कुलतली के श्रीकांत पल्ली और किशोरीमोहनपुर गांवों में सोमवार को बाघ के घुसने से दहशत फैल गई। गांव के पास जंगल से आने वाले इस बाघ की पहचान उसकी पदचिन्हों और दहाड़ से की गई। उसे मंगलवार सुबह तक नहीं पकड़ा जा सका है। दक्षिण 24 परगना की प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) निशा गोस्वामी ने बताया, ₹सोमवार को हमें सूचना मिली कि एक बाघ गांव में आ गया है। वनकर्मियों ने देर शाम तक स्थानीय निवासियों की मदद से जाल लगाकर इलाके को घेर लिया है।₹ उन्होंने यह भी बताया कि रायदिघी के रेंज अधिकारी सहित वन विभाग के कर्मचारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। बैकुंठपुर ग्राम पंचायत के उपप्रधान शंकर दास ने कहा, ₹श्रीकांत पल्ली के पास जंगलों से अक्सर बाघ निकल आते हैं। सोमवार को एक मछुआरे ने नदी किनारे बाघ के पदचिन्ह देखे।₹ उन्होंने बताया कि नदी किनारे एक मरे हुए मवेशी को फेंका गया था, जिसने शायद बाघ को गांव की ओर खींच लिया।

बंगाल में दो महीने पहले ही सामने आया था एचएमपीवी से संक्रमण का मामला, बच्चा स्वस्थ

एजेंसी

कोलकाता । चीन के बाद भारत में जिस एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस) से संक्रमण को लेकर डर का माहौल बन रहा है, उसका एक मामला दो महीने पहले ही पश्चिम बंगाल से सामने आ चुका है। खास बात ये है कि इस बीमारी से संक्रमित एक छह महीने के बच्चे को सफलतापूर्वक स्वस्थ भी कर लिया गया। यह मामला कोलकाता के पीयरलेस अस्पताल का है। डॉक्टरों की मेहनत और सही इलाज ने यह साबित कर दिया कि इस वायरस से डरने की जरूरत नहीं, बल्कि समय पर इलाज से इसे हराया जा सकता है।

पियरलेस अस्पताल की शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. साहेली दासगुप्ता ने बताया कि यह मामला उस समय सामने आया, जब मुंबई से आए एक दंपति का छह महीने का बच्चा तेज बुखार, सर्दी, खांसी और डायरिया से पीड़ित था। हालत इतनी गंभीर हो गई कि बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उसे क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती करना पड़ा।

डॉक्टरों की मेहनत से बचाई गई जान

डॉ. साहेली दासगुप्ता के अनुसार, बच्चे के गले और नाक से सैंपल लेकर किए गए परीक्षण में एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद तुरंत सपोर्टिव ट्रीटमेंट शुरू किया गया।

डॉक्टरों की मेहनत रंग लाई और कुछ दिनों के अंदर बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हो गया। यह केस दिखाता है कि बंगाल के डॉक्टरों ने इस वायरस से निपटने की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। डॉ. दासगुप्ता का कहना है कि एचएमपीवी वायरस नया नहीं है, लेकिन इसके स्ट्रेन बदलने से गंभीरता बढ़ सकती है। हालांकि, सही समय पर जांच और इलाज से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

एचएमपीवी वायरस के लक्षण और सावधानियां

एचएमपीवी मुख्य रूप से बच्चों और बुजुर्गों को प्रभावित करता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सर्दी, खांसी, डायरिया और सांस लेने में दिक्कत शामिल हैं। डॉक्टरों का सुझाव है कि यदि बच्चे में ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें और खुद से इलाज करने की कोशिश न करें।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वहां के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 5,975.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 246.13 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,867.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.16 प्रतिशत टूट कर 42,637.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,249.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 163.57 अंक यानी 2.20 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 7,445.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 310.11 अंक यानी 1.53 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 20,216.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल ये सूचकांक 372.76 अंक यानी 1.89 प्रतिशत टूट कर 19,315.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत फिसल कर 7,075.77 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 3,196.78 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 111.50 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,846 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,829.89 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 928.50 अंक यानी 2.36 प्रतिशत उछल कर 40,235.55 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 258.73 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,806.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,503.01 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत उछल कर 1,380.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

मादक पदार्थों की तस्करी मामले में अनंतनाग पुलिस ने एक करोड़ की संपत्ति कुर्क की

अनंतनाग। मादक पदार्थों की तस्करी और उसके वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में अनंतनाग पुलिस ने मंगलवार को सतकीपोरा निवासी अब्दुल गनी डार के बेटे खुर्शीद अहमद डार के दो मंजिला आवासीय घर को कुर्क किया है जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। पुलिस द्वारा एक बयान जारी कर कहा गया कि 1 कनाल भूमि पर बनी और लगभग 1 करोड़ रुपये की कीमत वाली संपत्ति को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया है कि घर का संबंध मादक पदार्थों की तस्करी से है। पुलिस ने कहा कि आरोपी पुलिस स्टेशन श्रीगुफवारा में एफआईआर संख्या 47/2019 के तहत दर्ज एक बड़े मादक पदार्थ मामले में शामिल है जिसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थों की बरामदगी शामिल है। पुलिस ने कहा कि यह निर्णायक कदम नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने और अवैध मादक पदार्थों के व्यापार का समर्थन करने वाले आर्थिक ढांचे को खत्म करने की अनंतनाग पुलिस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कार्रवाई का उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों को रोकना और समाज को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों से बचाना है।

पटना पुलिस ने मुठभेड़ में दो बदमाशों को मारा गिराया, दारोगा घायल

पटना, 07 जनवरी (हि.स.)। पटना पुलिस और अपराधियों के बीच सोमवार रात हुई मुठभेड़ में दो बदमाशों को पुलिस ने मार गिराया जबकि एक दारोगा गोली लगने से घायल हो गए। यह मुठभेड़ फुलवारी शरीफ के हिंदूनी इलाके में हुई थी। जांच के लिए एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची है और साक्ष्यों को इकट्ठा कर रही है। बदमाशों के पिस्टल को सीज किया गया है। पूरे मामले पर पटना पश्चिमी के टाउन एसपी शरत आरएस ने बताया कि पटना में पिछले कई दिनों से डकैती और चोरी की घटनाएं हो रही थीं। डकैतों को पकड़ने के लिए स्पेशल टीम का गठन किया गया था। टेक्निकल सेल की मदद से टीम लगातार इसके पीछे लगी हुई थी। इसी बीच सोमवार को सूचना मिली कि फुलवारी शरीफ के हिंदूनी गांव में वारदात को अंजाम देने के लिए बदमाश पहुंचने वाले हैं। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए बनाई गई टीम में कई थानेदार शामिल थे। टाउन एसपी ने बताया कि पुलिस की टीम डकैतों की गिरफ्तारी के लिए हिंदूनी गांव पहुंची थी। पुलिस को देखकर 10 की संख्या में रहे डकैतों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर को गोली लग गई। घायल एसआई को पटना एम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चेतावनी देने के बाद जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दो बदमाशों को गोली लगी है, जिनको इलाज के लिए पीएचसी में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों बदमाशों की मौत हो गई है। दोनों बदमाश नालंदा जिले के रहने वाले थे। एक बदमाश की गिरफ्तारी भी हुई है। गिरफ्तार मंटू कुमार भी नालंदा का ही रहने वाला है। मुठभेड़ के दौरान अन्य बदमाश मौके से फरार हो गए हैं। हिंदूनी गांव में स्थित धान के गोदाम में डकैती करने के लिए डकैत पहुंचे थे। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

पंजाब: खनोरी बॉर्डर पर धरना दे रहे किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ी

चंडीगढ़। पंजाब की सीमा पर धरना दे रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सोमवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। करीब तीन घंटे बाद वह सामान्य हुए। सोमवार को दिन के समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर कमेटी के सदस्यों ने खनोरी का दौरा करके डल्लेवाल से बातचीत की थी। बताया जाता है कि रात करीब 12 बजे जगजीत सिंह डल्लेवाल की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनकी पल्स रेट 42 और ब्लड प्रेशर की अपर रेंज 80 और लोअर रेंज 56 तक आ गई। वहां मौजूद डॉक्टरों की टीम ने उनके हाथ-पैर दबाए और पानी पिलाया। डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही मोर्चे पर मौजूद सभी किसान जाग गए। उन्होंने रात को ही डल्लेवाल की सेहत को लेकर सतनाम वाहेगुरु का जाप करना शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे तक डाक्टरों ने डल्लेवाल की निगरानी की। इसके बाद उनकी हालत सामान्य हुई। इससे पहले भी 04 जनवरी को खनोरी बॉर्डर पर महापंचायत के बाद डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें चक्कर आए और उल्टियां होने लगीं। उनका ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया। जिसके बाद सेहत विभाग ने एक टीम को अलर्ट मोड पर रखा। उल्टियां होने के बाद डल्लेवाल ने पानी पीना छोड़ दिया था।

उत्तराखंड सरकार ने सी ग्रेड माल्टा और पहाड़ी नींबू का न्यूनतम समर्थन मूल्य किया तय

देहरादून । प्रदेश सरकार ने राज्य के फल उत्पादकों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ₹सी₹ ग्रेड माल्टा और पहाड़ी नींबू (गलगल) का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर दिया है। इस बाबत कृषि मंत्री गणेश जोशी ने पत्रावली में अनुमोदन कर दिया है। शीघ्र ही एमएसपी घोषित करने का आदेश जारी किया जाएगा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आय दोगुनी करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। निश्चित रूप से इस कदम से फल उत्पादकों को उचित दाम मिलने के साथ ही स्थानीय फलों को एक नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि और औद्यानिकी का समग्र विकास करते हुए कास्तकारों की आय में गुणात्मक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई हैं। वर्ष 2024-25 ₹सी₹ ग्रेड माल्टा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 10 प्रति किग्रा. और पहाड़ी नींबू (गलगल) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7 प्रति किग्रा. तय किया गया है। सी ग्रेड माल्टा का एमएसपी वित्तीय वर्ष 2023-24 में 09 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये प्रति किलो किया गया जबकि पहाड़ी नींबू (गलगल) 06 रुपये से बढ़ाकर 07 रुपये प्रति किलो तय किया गया।

श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में रुद्र महायज्ञ शुरू

महाकुंभनगर। प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 20 में लगे श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में रुद्र महायज्ञ शुरू हो चुका है। मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सानिध्य में पूजा व रूद्र महायज्ञ से पहले यज्ञ कर मंडप प्रवेश किया गया। गणपति पूजन, वरुण, कलश पूजन पुण्याहवाचन, नांदीश्राद्ध, षोडश मातृका पूजन, योगिनी पूजन, वास्तु पूजन, क्षेत्रफल पूजन, नवग्रह पूजन एवं सर्वतोभद्र मंडल पूजन के साथ ही एकतोलिंगभद्र मंडल पूजन आवाहित सभी देवी देवताओं का पूजन, भगवान रुद्र का अभिषेक महामृत्युंजय मंत्र का जाप एवं रुद्र यज्ञ कराया गया। महाराजश्री के सानिध्य में उनके शिष्य महंत मुकेशानंद गिरि महाराज, आचार्य लक्ष्मीकांत पाढ़ी, आचार्य तोयराज उपाध्याय, आचार्य रोहित त्रिपाठी, आचार्य नित्यानंद, आचार्य अमित शर्मा व सात अन्य ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ प्रारंभ किया गया। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सानिध्य में एक महीने तक रुद्र महायज्ञ चलेगा। रुद्र महायज्ञ में भाग लेने व शिविर की सुविधाओं का लाभ लेने के लिए मोबाइल 9990571998 व 7011277760 पर सम्पर्क किया जा सकता है। यह यज्ञ एक महीना निरंतर चलने वाला है। शिविर में अन्नपूर्णा भंडारा भी शुरू हो गया है और रोजाना 500 से अधिक भक्त प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

जेके इंटरनेशनल स्कूल का छात्र बना डॉक्टर, विद्यालय ने किया सम्मानित

बधाई...डॉ अभिषेक वत्स

जेके इंटरनेशनल स्कूल के पूर्व छात्र डॉक्टर अभिषेक वत्स ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से डॉक्टर बनकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उक्त छात्र को विद्यालय ने विशेष रूप सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने उनकी उपलब्धि की भूरि भूरि प्रशंसा की ओर कहा कि यह न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है बल्कि विद्यालय की शिक्षा पद्धति और संस्कारों का भी प्रमाण है। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर खुशबू झा ने कहा कि यह सफलता वर्तमान छात्रों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और प्रयास से हर सपना साकार किया जा सकता है। सम्मान समारोह में छात्र के माता-पिता, दादा जी और सभी शिक्षक भी उपस्थित थे। जिन्होंने उसकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। साथ ही झारखंड की परंपरा को निभाते हुए विद्यार्थियों के द्वारा हस्त धावन,गमछा प्रस्तुति और शॉल से डॉक्टर अभिषेक को सम्मानित किया गया। डॉक्टर अभिषेक ने अपने विचारों को अपनी जूनियर के सामने साझा करते हुए कहा कि हमें पढ़ाई के साथ-साथ सभी क्षेत्र में भाग लेना चाहिए। समय को व्यर्थ न गवाएं। समय का सदुपयोग करें। जहां आप लोगों को मेरी आवश्यकता होगी वहां मैं आपके मार्गदर्शन के लिए तैयार हूं। जहां डॉक्टर अभिषेक वत्स ने अपने विचारों को साझा किया वहीं दूसरी तरफ विद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर खुशबू झा ने विद्यार्थियों को कहा कि -हमें बंद आंखों से सपने नहीं देखने चाहिए, सपना देखते हैं तो खुली आंखों से देखो, ऐसे सपने देखो जो हमें सोने ना दे और अपनी मंजिल की ओर कदम बढ़ाने के लिए मजबूर कर दे। विद्यालय प्राचार्य की बातों से अभिभूत होकर विद्यालय के सीईओ मिस्टर जेसू प्रधान ने सहमति जताई और कहा की आने वाले समय में जेके इंटरनेशनल विद्यालय से अनेक विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर एवं अन्य क्षेत्रों में अपना परचम लहरायगें।विद्यालय ने छात्र की सफलता को सभी विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।